दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 292 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 22 नवम्बर, 2024 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

न्यूज इनबॉक्स

पाकिस्तान में शिया मुसलमानों के यात्री वाहन पर हमला, 50 की मौत

एजेंसी

पेशावर(एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा में शिया मुसलमानों को ले जा रहे यात्री वाहन पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 50 लोगों की मौत हो गई। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। हमले में 20 लोग भी घायल हुए हैं। यह हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला माना जा रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मृतकों में छह महिलाएं, दस की हालत गंभीर

यह हमला कुर्रम जिले में हुआ है, जो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का हिस्सा है। इस जिले में हाल ही में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उन यात्री वाहनों पर गोलियां चलाई जो परचिनार से पेशावर की ओर जा रहे थे। पुलिस अधिकारी अजमत अली ने बताया कि मरने वालों में छह महिलाएं भी शामिल हैं और दस यात्री अस्पताल में गभीर हालत में भर्ती हैं।

जरदारी ने की हमले की निंदा

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की निंदा की और पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने आदेश दिया कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पाकिस्तान में 15 फीसदी है शिया मुसलमानों की आबादी

पाकिस्तान में शिया मुसलमानों की आबादी करीब 15 फीसदी है, जबकि देश में सुन्नी मुसलमान बहुसंख्यक हैं। हालांति, दोनों समुदाय आमतौर पर आपस में शांति से रहते हैं। लेकिन कुर्रम जैसे कुछ क्षेत्रों में शियाओं और सुन्नियों के बीच दशकों से तनाव रहा है। इस साल जुलाई में कुर्रम में शिया और सुन्नी समुदायों की झड़प में करीब पचास लोग मारे गए थे।

जयपुर पहुंचा गांधी परिवार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जयपुर पहुंचे। सांगानेर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने किया। एयरपोर्ट से सीधे राहुल गांधी होटल पहुंचे। उनके जयपुर दौरे का मुख्य उद्देश्य प्रियंका गांधी के बेटे रेहान के मित्र यशार्थ गोयल की शादी समारोह में हिस्सा लेना है। यह समारोह रामबाग पैलेस में आयोजित किया जा रहा है। इस निजी यात्रा के दौरान सोनिया गांधी के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

प्रियंका गांधी, उनके पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटे रेहान और बेटी मिराया पहले ही रणथंभौर टाइगर रिज़र्व में तीन दिन बिता चुके हैं। इसके बाद प्रियंका अपने परिवार के साथ जयपुर आई। एक सप्ताह पहले भी वे बेटे रेहान को जयपुर एयरपोर्ट पर छोड़ने आई थीं और फिर चुनाव प्रचार के लिए लौट गई थीं। गांधी परिवार ने स्पष्ट किया है कि उनकी यह यात्रा पूरी तरह से निजी है और वे किसी राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा नहीं लेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिदायत दी गई है कि वे एयरपोर्ट या होटल के आसपास न आएं।

माउंट आबू में पारा 6.8 डिग्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद बीते 4 दिनों में राजस्थान में मौसम तेजी से बदला है। प्रदेश में दिन और रात के तापमान में फर्क काफी बढ़ गया है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। हिल स्टेशन माउंट आबू बीते 24 घंटों में प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका रहा है। यहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज किया गया है। सीकर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, सिरोही, उदयपुर और चित्तोड़गढ़ में भी न्यूनतम तापमान तेजी से लुढ़ रहा है। हनुमानगढ़ और गंगानगर में दिन के वक्त घने कोहरे का असर देखने को मिल रहा है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें तो बाड़मेर गर्म इलाका रहा। यहां अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान की बात करें तो हिल स्टेशन आबू पर न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री रहा। सीकर का न्यूनतम तापतान 7.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहा।

पर्यटन, कला- संस्कृति व सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भजनलाल सरकार जल्द लाएगी नई पर्यटन नीति

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों का वर्गीकरण करते हुए उच्च प्राथमिकताओं के उन कार्यों को त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए है जहां पर्यटकों की आवक ज्यादा है और राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि अपेक्षित है। भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पर्यटन, कला व संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रभावी ब्रान्डिंग करते हुए पर्यटन स्थलों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक यहां आए। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तथा मेलों उत्सवों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक मार्केटिंग करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 2 वर्षों के अन्दर 20 हजार युवाओं व लोक-कलाकारों को पारम्परिक कला व आतिथ्य संबंधी प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्मारकों और पेनोरमा को बनाएं और आकर्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारी प्रदेश के प्राचीन स्मारकों और पेनोरमा को अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश व गुजरात स्थित स्मारकों का दौरा कर नवाचार व आदर्श गतिविधियों का अनुसरण करें। इससे पर्यटकों का ठहराव होगा और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा।

युवाओं में हो विरासत की आदत

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। जिला स्तर पर स्कूली विद्यार्थियों को क्षेत्रीय स्मारकों पर नियमित यात्राएं करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बजट में पर्यटन से संबंधित की गई सभी घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर उन्हें समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल्द लाएंगे नवीन पर्यटन नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल्द ही नवीन पर्यटन नीति लाई जाएगी। इससे राज्य में पर्यटन की गति को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में इको, रूरल, हैरिटेज व एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, जैसलमेर में फॉसिल पार्क व ओपन रॉक्स म्यूजियम, चित्तौडगढ़ और आमेर में लाइट एण्ड साउण्ड शो का उन्नयन, वैर के सफेद महल, प्रताप फुलवारी व किले की मरम्मत व सौन्दर्यीकरण, रामगढ़ क्रेटर साइट व सांभर झील क्षेत्र को विकसित करने संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ एवं जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के लिए 100 करोड़ रुपये से संबंधित कार्ययोजना के बारे में विस्तृत चर्चा भी की। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन का 5.6 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत पर्यटन विभाग की ओर से एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए बड़ी तादाद में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल व प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आधारभूत ढांचे से मिलती है विकास को गतिः भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश में आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का निर्माण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रदेश में सड़क निर्माण व संधारण सहित महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के निर्माण कार्यों को पूर्ण जिम्मेदारी व समयबद्धता के साथ पूरा करे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उक्त उदगार व्यक्त किए। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा व अन्य घोषणाओं के तहत बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जांच करने व गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय राजमार्गों व ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विभिन्न परियोजनाओं के तहत हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन्हें समय से पूरा किया जाए, ताकि आमजन के लिए जल्द से जल्द उपयोग में आ सकें। शर्मा ने प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों में गति लाई जाए व आगामी परियोजनाओं की जल्द डीपीआर तैयार करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को लेकर निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार इनकी डीपीआर जल्द तैयार कराएं, जिससे इनका कार्य प्रारंभ हो सके।

पीएमजीएसवाई के प्रगतिरत कार्य को जल्द पूरा करें

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत संचालित सड़क निर्माण कार्यों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों व आरएसआरडीसी की ओर से संचालित भवन निर्माण, ब्रिज कार्य व सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला सड़क, अन्य जिला सड़क व ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण के कार्यों को प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

अमेरिका में अभियोग लगाए जाने के बाद केन्या का फैसला

अदाणी समूह के साथ हवाई अड्डों और बिजली ट्रांसमिशन लाइन से जुड़ा समझौता रद्द

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के अदानी समूह को तगड़ा झटका लगा है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने अदाणी समूह के साथ हुए उस समझोते को रद्द करने का आदेश दिया है, जिसके तहत देश के मुख्य हवाई अड्डे का नियंत्रण भारतीय समूह सौंप दिया जाना था। केन्या ने यह फैसला कंपनी के संस्थापक पर अमेरिका में अभियोग लगाए जाने के बाद किया गया। रुटो ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्रालय की ओर से पिछले महीने अदाणी समूह की एक इकाई के साथ विद्युत वितरण लाइनों के निर्माण के लिए 736 मिलियन डॉलर के सार्वजनिक-निजी भागीदारी समझौते जिसकी मियाद 30 वर्ष थी, को भी रद्द करने का निर्देश दिया है।रुटो ने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि मैंने परिवहन मंत्रालय और ऊर्जा व पेट्रोलियम मंत्रालय की एजेंसियों को तत्काल चल रही खरीद प्रक्रिया को रद्द करने का निर्देश दिया है।÷ उन्होंने इस निर्णय का श्रेय जांच एजेंसियों और साझेदार देशों की ओर से उपलब्ध कराई गई नई जानकारी को दिया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक गौतम अदाणी और सात अन्य प्रतिवादियों ने भारतीय सरकारी अधिकारियों को लगभग 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति जताई थी।

गुयाना की संसद में गरजे मोदी

भारत है वैश्विक विकास के पक्ष में : प्रधानमंत्री मोदी

जयपुर टाइम्स/एजेंसी

जार्जटाउन(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को गुयाना में संसद के विशेष सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कभी विस्तारवाद की भावना से आगे नहीं बढ़े। हम व्यवसाय पर संसाधनों का उपयोग करते हैं। संसाधनों को हथियाने की भावना से हमेशा दूर रहते हैं। आज भारत हर तरह से वैश्विक विकास के पक्ष में खड़ा है। इसी भावना के साथ भारत ग्लोबल साउथ की भी आवाज बना है। पीएम ने कहा कि आज भारत विश्वबंधु के रूप में विश्व के प्रति अपना कर्तव्य निभा रहा है। दुनिया के किसी भी देश में कोई भी संकट हो, हमारा ईमानदार प्रयास होता है कि हम प्रथम प्रतिक्रियादाता बनकर वहां पहुंचें। कोविड-19 के दौरान जब हर देश खुद को बचाने की कोशिश कर रहा था, तब भारत ने 150 से अधिक देशों के साथ दवाइयां और वैक्सीन साझा कीं।

उन्होंने कहा कि भारत और गुयाना का रिश्ता बहुत गहरा है। यह मिट्टी, पसीने और परिश्रम का रिश्ता है। करीब 180 साल पहले एक भारतीय गुयाना की धरती पर आया था और उसके बाद से सुख और दुख दोनों में भारत और गुयाना का रिश्ता आत्मीयता से भरा रहा है। पिछले 200-250 वर्षों में भारत और गुयाना ने एक जैसी गुलामी देखी है। एक जैसा संघर्ष देखा है। आजादी की लड़ाई में कितने लोगों ने यहां और वहां अपनी जान कुर्बान की। आज दोनों देश दुनिया में लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। गुयाना की संसद में मैं भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से आप सभी का अभिनंदन करता हूं।

उप चुनाव

7 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना कल, तैयारियां पूरी

किसका बढ़ेगा जनाधार, किसको मिलेगी हार!

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के 7 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव की मतगणना 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी विधानसभा क्षेत्रों के नतीजे कल घोषित होंगे। मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना प्रक्रिया 7 जिलों के मुख्यालयों पर 98 टेबल्स पर 141 राउंड में संपन्न होगी। मतगणना सुबह 8 बजे पोस्टल बैलेट से शुरू होगी, जिसके लिए 39 टेबल्स लगाई गई हैं। ईवीएम से मतों की गणना सुबह 8.30 बजे आरंभ होगी। झुंझुनू और सलूम्बर में 22-22 राउंड, रामगढ़ में 21, देवली-उनियारा और खींवसर में 20-20 राउंड, जबकि दौसा और चौरासी में 18-18 राउंड में मतगणना पूरी होगी।

सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

मतगणना स्थलों पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी। सीसीटीवी और 360-डिग्री वीडियोग्राफी से मतगणना प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी। उम्मीदवार और उनके एजेंट सीसीटीवी कवरेज लाइव देख सकेंगे। बिना अनुमति के मतगणना कक्ष में प्रवेश निषिद्ध रहेगा।

परिणाम की लाइव जानकारी

मतगणना के दौरान ट्रेंड्स और परिणाम आयोग की वेबसाइट, वोटर हेल्पलाइन एप और ट्रेंड-टीवी के जरिए उपलब्ध होंगे। मीडिया के लिए विशेष सेंटर स्थापित किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम होगी। 7 क्षेत्रों का अंतिम परिणाम मतगणना के दिन उपलब्ध करा दिया जाएगा।

बस्सी पंचायत समिति से 25 को होगा आगाज

जयपुर कलेक्टर की सार्थक पहल : सक्षम जयपुर अभियान बनेगा दिव्यांगों के विकास का आधार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर की बस्सी पंचायत समिति में 25 नवंबर को सक्षम जयपुर अभियान का शुभारंभ होगा। सक्षम जयपुर अभियान के तहत दिव्यांगजनों को चिन्हीकरण, स्वावलंबन पोर्टल पर प्रमाण पत्र बनाने, यूडीआईडी कार्ड बनाने, सुखद दाम्पत्य जीवन योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, पालनहार योजना, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, जैसी सरकारी योजनाओं के लाभ दिलाने और अंग, उपकरण वितरण करने के लिए चिकित्सकों की ओर से जांच कार्य किए जाएंगे।

सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बीपी चंदेल ने बताया कि सक्षम जयपुर अभियान के तहत शिवरों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में पंचायत समिति स्तर पर शिविरों का आवेदन किया जाएगा, उसके पश्चात नगर निगम स्तर पर भी सक्षम जयपुर अभियान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह अभियान जिले में दिव्यांगजनों को सकारात्मक और बाधामुक्त परिवेश प्रदान करने एवं अन्य नागरिकों की तरह जीविका उपार्जन कर आत्मनिर्भर बनाने व सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में कारगर साबित होगा। उपनिदेशक सामाजिक विभाग कृष्णकांत सांखला ने बताया कि 25 नवंबर को बस्सी, 27 नवंबर को जमवारामगढ़/आंधी, 28 नवंबर को कोटखावदा,

29 नवंबर को आमेर/जालसू, 3 दिसंबर को सिरसी, 4 दिसंबर को माधोराजपुरा, 10 दिसंबर को जोबनेर, 12 दिसंबर को सांभरलेक, 16 दिसंबर को किशनगढ़-रेनवाल, 17 दिसंबर को दूदू, 20 दिसंबर को मोजमाबाद, 24 दिसंबर को फागी, 26 दिसंबर को शाहपूरा, 27 दिसंबर को गोविंदगढ़, 30 दिसंबर को तुंगा, 2 जनवरी 2025 को चाकसू और 7 जनवरी 2025 को सांगानेर पंचायत समिति परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 7 तक सक्षम जयपुर अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन शिविरों में जिन दिव्यांगजनों ने अभी तक पंजीकरण नहीं करवाया है, उनका पंजीकरण करवाया जाएगा व जिनका पंजीकरण हो गया है उनका आकलन किया जाएगा व जिनका आकलन हो चुका है उनका मेडिकल बोर्ड की ओर से परीक्षण कर दिव्यांगता योग्यता प्रमाण पत्र बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिन दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड/दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बन गया है, उन दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके लिए सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के कार्मिक शिविर में मौजूद रहेंगे। साथ ही, शिविर में ही रोडवेज अधिकारियों की ओर से रोडवेज पास बनवाने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों की आवश्यकता अनुसार सहायक अंग/उपकरण के लिए चिकित्सकों की ओर से जांच की जाएगी एवं आवश्यक सहायक उपकरणों की सूची बनाई जाएगी अगले चरण में लगने वाले कैंपों में सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग बीपी चंदेल ने बताया कि पूर्व में केवल 7 श्रेणियां में ही दियव्यंगता प्रमाण पत्र बनाए जाते थे, अब इन्हें बढ़कर 21 श्रेणियां में कर दिया गया है। इन 21 श्रेणियां में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। नई जोड़ी गई प्रमुख श्रेणियां में बौनापन, सिलिकलसेल से ग्रसित, हीमोफीलिया रोगी इत्यादि हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में सक्षम जयपुर अभियान के सफल आयोजन के बाद जयपुर शहर में भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

25 नवंबर से 27 नवंबर तक आयोजित होगा मत्स्य उत्सव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में 25 से 27 नव बर तक मत्स्य उत्सव आयोजित होगा जिसमें 25 नव बर को प्रात~10 बजे से भानगढ़ किले में मूविंग कलाकारों द्वारा पर्यटकों का स्वागत करने के साथ ही मत्स्य उत्स्व की शुरूआत होगी।

पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक टीना यादव ने बताया कि मत्स्य उत्सव के प्रथम दिन 25 नव बर को सिलीसेढ पाल पर दोपहर ढाई बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, सायं साढ़े 6 बजे श्री जगन्नाथ जी मंदिर में विशेष संध्या आरती होगी, सायं साढ़े 7 बजे से महल चौक मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। मत्स्य उत्सव के दूसरे दिन 26 नव बर को प्रात-साढ़े 7 बजे से कंपनी गार्डन में योगा फॉर ऑल का आयोजन होगा, प्रात-10 बजे पुराना सूचना केन्द्र में मेहन्दी - पेंटिंग एवं रंगाली प्रतियोगिता (अतुल्य अलवर थीम) पर आयोजित होगी, दोपहर 3 बजे होप सर्कस से सागर तक शोभायात्रा निकाली जाएगी, सायं साढ़े 5 बजे से सागर जलाश्य पर दीपमाला कार्यक्रम, सायं साढ़े 6 बजे महल चौक अलवर मे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी प्रकार मत्स्य उत्सव के तीसरे दिन 27 नव बर को प्रात-साढ़े 7 बजे कं पनी गार्डन से नगर वन तक साईकिल रैली आयोजित होगी, प्रात-साढ़े 9 बजे क पनी गार्डन (पुरजन विहार) में लॉवर शो, प्रात-11 बजे अशोक सर्किल पर फोटो प्रदर्शनी एवं सायं साढ़े 6 बजे से महल चौक अलवर में यूजिकल नाइट का आयोजन कराया जायेगा।

घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग करने पर 20 गैस सिलेंडर जब्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला रसद अधिकारी मानसिंह मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में गुरुवार को घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग की रोकथाम हेतु कार्रवाई कर 20 सिलेण्डरों को जब्त किया गया। जिसमें 18 घरेलू गैस सिलेंडर, 1 व्यावसायिक गैस सिलेंडर एवं 1 अप्रमाणित घरेलू गैस सिलेंडर शामिल है।

उन्होंने बताया कि टीम द्वारा लोहिया का तिबारा स्थित मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में श्री राधे इलेक्ट्रीकल्स एवं बर्तन भण्डार पर 20 गैस सिलेंडर जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से मैसर्स रिद्धि-सिद्धि गैस एजेंसी के प्रतिनिधि को सुपुर्द किए। घरेलू गैस के व्यावसायिक दुरूपयोग की रोकथाम हेतु इस प्रकार की कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी। इस दौरान प्रवर्तन अधिकारी रणधीर सिंह, विनोद जुनेजा, कृष्ण कुमार बॉयला, प्रशान्त सिंघल एवं गुलाब मौजूद रहे।

अलवर के सोना विहार निवासी डॉ. शर्मा ने की पीएचडी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। दिल्ली रोड सोना विहार अलवर निवासी डॉ. रोहित कुमार शर्मा पुत्र दिनेश कुमार शर्मा ने पीएचडी की है। जहां यह पीएचडी प्रोफेसर डॉ. शशिकांत महाजन के सान्निध्य में केनाईन कॉर्निया के रोगों के निदान के लिए अपनाई जा रही विभिन्न तकनीक के विषय में शोध किया है। रोहित कुमार शर्मा ने गुरु अंगद देव वेटरिनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी लुधियाना पंजाब से इस विषय में पीएचडी की है। इस विषय के अंतर्गत खानों में रोग ग्रस्त कॉर्निया के निदान के लिए विभिन्न शल्य चिकित्सा तकनीक का मूल्यांकन संबंधी विषयों पर गहन अध्ययन किया गया हैं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया महासचिव एवं घनश्याम कान्देल कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित, अध्यक्ष पद पर 24 को होगें चुनाव

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। शहर के मोरीजा रोड़, बी-2, गुलाब विहार कॉलोनी में स्थित बलाई समाज सभा-भवन में 17 नवंबर को बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के अध्यक्ष, महासचिव व कोषाध्यक्ष पद पर नामांकन भरे गये।

मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. कैलाश चंद्र बुनकर व सहायक चुनाव अधिकारी गजानंद परिहार ने बताया कि टांकरडा निवासी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया निर्विरोध महासचिव निर्वाचित हुए वही चीथवाडी निवासी घनश्याम कान्देल निर्विरोध कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. बुनकर व सहायक चुनाव अधिकारी परिहार ने बताया कि अध्यक्ष पद पर एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, एडवोकेट जितेन्द्र कुमार बुनकर, महेश कुमार नारनोलिया व नरेन्द्र कुमार तंवर चुनाव मैदान में है।

मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. बुनकर ने बताया कि बलाई समाज सभा-भवन में रविवार, 24 नवंबर को सुबह 9.00 बजे से दोपहर 3-00 बजे तक मतदान होगा एवं दोपहर 3-30 बजे से परिणाम आने तक चुनाव अधिकारियों द्वारा किया जाकर निर्णय पारित किया जाएगा तथा उसी दिन मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा विजेताओं को शपथ दिलाई जाएगी।

पूर्व पार्षद ने सिकोरों में चाय की व्यवस्था की मांग की

चौमूं~ नगर परिषद क्षेत्र में पर्यावरण और स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पूर्व पार्षद राजेश वर्मा ने गुरुवार को नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। वर्मा ने कागज के डिस्पोजल कप में चाय की बिक्री बंद कर मिट्टी के सिकोरों में चाय देने की व्यवस्था अनिवार्य करने की मांग की।

ज्ञापन में वर्मा ने बताया कि डिस्पोजल कप स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रसायन छोड़ते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ता है। उन्होंने मिट्टी के सिकोरों को पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित विकल्प बताया। वर्मा ने जनहित में इस कदम को लागू करने की अपील की, जिससे पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सके।

पात्र आवेदकों के आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु जोन स्तर पर लगाये जायेगे हेल्प डेस्क

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने गुरूवार को नगर निगम मुख्यालय पर जोन उपायुक्त, सीएसआई की विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से सफाईकर्मी भर्ती-2024 के तहत बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार, उपायुक्त कार्मिक कविता चौधरी, उपायुक्त (स्वास्थ्य) ओम प्रकाश थानवी उपस्थित रहे।

किसान सुरक्षित, सम्पन्न और आत्मनिर्भर होगा तब ही देश विकसित होगा : दीया कुमारी

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कृषि महाविद्यालय के प्रशासनिक व अकादमिक भवन का किया लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(कासं.)। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली के प्रशासनिक व अकादमिक भवन का लोकार्पण गुरूवार को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, कोटपूतली विधायक प्रतिनिधि करण पटेल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव व श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति प्रो. बलराज सिंह द्वारा फीता काटकर व अनावरण पट्टीका का लोकार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कॉलेज व विश्वविद्यालय को विकास का हरसम्भव आश्वासन दिया तथा उचित प्रस्तावों को आगामी बजट में पूरे करने का भरोसा दिया। उन्होंने कॉलेज में बालिकाओं की 40 प्रतिशत भागीदारी पर प्रसन्नता जाहिर की तथा कृषि विकास में महिलाओं के योगदान पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को सुरक्षित, सम्पन्न और आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों व कॉलेजों को विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त जीरो व ग्रीन एनर्जी कैम्पस बनाने को कहा। कृषि महाविद्यालयों में आर्टिफिसियल इन्टलीजेन्स, आई ओ टी. मशीन लर्निंग पर आधारित कोर्स शुरु करने को कहा। प्रो. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय द्वारा बाजरा, चने व मूगंफली की नई किस्मों के विकास के बारे में बताया। सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कृषि को विकास का बीज बताया व कृषि छात्रों को किसान बनने के बारे में चर्चा की। उन्होंने किसान को अन्नदाता बताया तथा कृषि विकास हेतु गुणवत्ता युक्त अनुसंधान करने का वैज्ञानिकों से अनुरोध किया। कॉलेज के डीन डॉ. सुरेन्द्र सिंह मनोहर ने धन्यवाद् ज्ञापित किया तथा कॉलेज के विकास के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर अतिथियों ने वृक्षारोपण किया व कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर अतिथियों ने महाविधालय की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस दौरान भाजयुमो के पूर्व प्रदेश मंत्री देवायुष सिंह शाहपुरा, भाजपा जिला महामंत्री गोपाल अग्रवाल, उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, भाजपा नेता यादराम जांगल, पूरब मंडल संयोजक इंजी. विक्रम कसाना, उत्तर मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, एड. कमल कसाना, एड. हेमंत सिंह शेखावत राजनौता, हेमन्त राठौड़, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, पाथरेड़ी के उप सरपंच राजकुमार सिंह, पूर्व सरपंच जयसिंह, रोहिताश यादव, महेन्द्र यादव, राजेन्द्र सिंह समेत प्रधान, सरंपच, सरकारी अधिकारी, गणमान्य लोग व ग्रामीण मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम की रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय अलवर के तत्वावधान में नेशनल ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रैली के माध्यम से किया गया। रैली को हरी झण्डी मित्तल हॉस्पीटल के डायरेक्टर एवं आई. एस. जी. एफ के जिला अध्यक्ष एवं समाज सेवक रक्तवीर गिरीश गुप्ता ने दिखाई। साथ ही गिरीश गुप्ता ने पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक का दायित्व भी निभाया। रैली पश्चात् सिंगल यूज प्लास्टिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमोद कुमार शर्मा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट ने सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन पर अपनी वार्ता प्रस्तुत की एवं पर्यावरण पर सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रभाव पर योगेश वशिष्ठ शिक्षाविद् ने अपनी वार्ता प्रदान की। इस अवसर पर 200 से अधिक गाइड्स ने भाग लिया।

लॉर्ड्स विश्वविद्यालय में प्लास्टिक बैन पर हुई सेमिनार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अखिल भारतीय पर्यावरण एवं गो सवंर्धन मंच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गायत्री परिवार के सयुक्त तत्वावधान में प्लास्टिक बैन पर सेमिनार का आयोजन लॉर्ड्स विश्वविद्यालय में किया गया कार्यक्रम संयोजक सुधीर माथुर ने बताया कि प्लास्टिक एक भयंकर प्रदूषण का कारण बन गया है। साथ ही साथ मानव जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल रहा है। अतः प्लास्टिक को कैसे रोका जाए और जीवन में किस तरह से कम से कम उसका उपयोग किया जाए। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में आई0ई0आई0 के मानद सचिव पंकज तिवाडी ने इस पर विचार रखे। आर0एस0एस0 के पर्यावरण ईकाई के जिला संयोजक उमराव लाल सैनी ने पर्यावरण को संरक्षित रखने के साथ-साथ उसके सकारात्मक पक्ष पर भी अपने विचार रखें और प्लास्टिक जीवन में किस तरह से हानिकारक है इस पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जीवन में पर्यावरण की उपयोगिता बहुत जरूरी है। पानी और वायु किसी तकनीक से नहीं बन सकते। कोई भी कंपनी किसी बोतल या सिलेंडर में बंद करके अपना ठप्पा लगा देता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसने वह निर्माण किया है। यह ईश्वर प्रदत्त चीजें हैं लेकिन इसको सुरक्षित और संवर्धित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

अतः प्लास्टिक का प्रयोग ना करें तो बेहतर है और करना पड़े तो कम से कम करें।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जिला कलक्टर ने की आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम गुरुवार को जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में कोटपूतली पंचायत समिति के वी. सी. कक्ष में आयोजित हुआ। माह के तीसरे गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में श्मशान के लिए भूमि आवंटित करने, खाद्य सुरक्षा में नाम जोडने, आबादी भूमि का विस्तार करने, भूमि विभाजन, आधार कार्ड, फसल खराबे का मुआवजा दिलाने, सडक, पट्टा प्रदान करने, अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था सुधारने, विभिन्न प्रकरणों की पुलिस जांच कराने तथा पेयजल आपूर्ति करवाने सहित विभिन्न जन समस्याओं से संबंधित कुल 37 प्रकरण प्राप्त हुये। जिन पर कार्यवाही करते हुये जिला कलक्टर ने कुछ परिवादों का मौके पर ही निस्तारण कर शेष परिवादों के बारे में संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर तुरन्त कार्यवाही कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई के साथ-साथ सम्पर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न स्तरों से प्राप्त होने वाले परिवादों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण किया जाये तथा लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर उनका गुणवत्तापुर्ण निस्तारण करें। इस दौरान एडीएम ओमप्रकाश सहारण, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, उद्यानिकी विभाग के उपनिदेशक सरदारमल यादव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के एसीपी सुनील मीणा, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता, पीएचईडी के अधिशासी अभियंता रामकरण मीणा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक महेंद्र जैन सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वी.सी. के माध्यम से जुड़े रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत लछडसर , पंचायत समिति रतनगढ़ (चूरू)

क्रमांक :- निर्माण/आ.र.डी./ ई-निविदा/2024-25/86 दिनांक 21.11.2024

ऑन लाईन ई-निविदा सूचना 15/2024-25

राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के नियम 181 (1) के अन्तर्गत निम्न कार्यों को करवाये जाने के लिए पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको से ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.inपर निम्नानुसार ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदाएं ग्राम पंचायत स्तर पर गठित ग्राम स्तरिय सामग्री कय कमेटी द्वारा खोली जायेगी ।

S.No.	NIB No.	UBN No.	निविदा अपलोड प्रारम्भ होने की दिनांक
1	PDL2425A0038	PDL2425WSOB00036	25.11.2024

निविदा से संबंधित ग्राम पंचायत वार अनुमानित लागत, अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते w w w . e p r o c . r a j a s t h a n . g o v . i n पर व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत लछडसर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लछडसर

E-mail:- acezoneli@yahoo.com/acejaipur2.pwd-rj

कार्यालय अति० मुख्य अभियंता, सा.नि.वि., सम्भाग द्वितीय, जयपुर

पी.डब्ल्यू.डी. कैम्पस, जैकब रोड, जयपुर क्लब के सामने, जयपुर
फोनः- 0141-5110537, 5110501 एक्स-209 फैक्स : 0141-5110537

क्रमांकः- 2118 दिनांकः-18/11/2024

निविदा संशोधन सूचना संख्या- 13/2024-25

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 13/2024-25 में निविदा सारणी के कम संख्या 01 से 02 व 04 से 08 में अंकित कार्य में ऑनलाईन अपलोड तकनीकी बिड़ एवं 04 व 07 में Joint Venture (JV) के बोली में भाग लेने सम्बन्धित परिपत्र लागू किये गये, एवं समस्त कार्यों की निविदा अब दिनांक 26.11.2024 को अपरान्ह 3 बजे तक बेची जाकर दिनांक 27.11.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी जो संशोधन परिपत्रों से सम्बन्धित विवरण राज्य की उपापन पोर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) एवं विभागीय वेबसाईट http://pwd. rajasthan.gov.in. पर देखे जा सकते हैं।

S.No	UBN	S.No	UBN	S.No	UBN
1	PWD2425WLOB08687	5	PWD2425WLOB08723	9	PWD2425WLOB08621
2	PWD2425WLOB08690	6	PWD2425WLOB08724	10	PWD2425WLOB08622
3	PWD2425WLOB08721	7	PWD2425WLOB08688	11	PWD2425WLOB08720
4	PWD2425WLOB08722	8	PWD2425WLOB08623		

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
सा.नि.वि. सम्भाग द्वितीय, जयपुर

DIPR/C/11469/2024

उपराष्ट्रपति धनखड़ नई दिल्ली रवानाः मंत्री खर्रा ने दी विदाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ झुंझुनू यात्रा के बाद बुधवार को नई दिल्ली के लिए हवाई मार्ग से रवाना हुए। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जयपुर एयरपोर्ट पर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, प्रमुख शासन सचिव, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग अश्विनी भगत, जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ, संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता, जिला कलेक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी एवं अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म हुई टैक्स फ्री राज्य सरकार फिल्म पर देय स्टेट जीएसटी की करेगी प्रतिपूर्ति

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य सरकार ने प्रदेश में फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को टैक्स फ्री किए जाने का निर्णय किया है। इस निर्णय से प्रदेश में इस फिल्म की टिकट पर लगने वाली राज्य माल एवं सेवा कर (स्टेट जीएसटी) की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह फिल्म अतीत की उस सच्चाई को उजागर करती है जिससे पूरा देश अनभिज्ञ था। इस फिल्म के माध्यम से निर्दोष व्यक्तियों को अपनी बात रखने का अवसर मिला है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता श्री अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में बियानी कॉलेज, सीकर रोड़ 1,2,9 व 12 नंबर चौराहा, सांगानेर हवाई अड्डे के पास अवैध हटवाड़ा, जीटी पुलिया, जवाहर सर्किल पत्रिका गेट से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के

विरूद्ध 30 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 03 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में बियानी कॉलेज, सीकर रोड़ 1,2,9 व 12 नंबर चौराहा, सांगानेर हवाई अड्डे के पास अवैध हटवाड़ा, जीटी पुलिया, जवाहर सर्किल पत्रिका गेट से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 03 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 30 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

ऊष्ट्र संरक्षण योजना के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता के लिए अधिसूचना सरकार ने जारी की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार द्वारा ऊष्ट्र संरक्षण योजना के तहत डीबीटी को आधार और जन-आधार से जोड़ने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पशुपालन और गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा वर्तमान में ऊंटों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए ऊष्ट्र संरक्षण योजना का संचालन किया जा रहा है जिसमें टोडियों के जन्म पर उनके पालन पोषण के लिए प्रोत्साहनस्वरूप ऊष्ट्र पालकों को दो किश्तों में 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के जारी होने से अब योग्य ऊष्ट्र पालकों को इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना आधार और जन-आधार संख्या होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जिससे उनके बैंक खातों में पारदर्शिता एवं सुगमता के साथ राशि हस्तांतरित की जा सकेगी। इससे योजना में पारदर्शिता आएगी और ऊष्ट्र पालकों को उनकी सहायता राशि सरल और निर्बाध तरीके से सीधे प्राप्त हो सकेगी। साथ ही योजना के तहत आवेदन करते समय कई तरह के पहचान पत्र व अन्य दस्तावेज अपलोड करने की भी बाध्यता नहीं होगी। डॉ शर्मा ने बताया कि योजना के तहत लाभार्थियों को सुविधाजनक रूप से लाभ मिल सके इसके लिए लाभार्थियों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों से उन तक सूचना पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से लाभार्थियों को समय पर आर्थिक लाभ मिलने के साथ साथ विभाग के काम में भी आसानी होगी तथा दक्षता आएगी।

(पी.एम.स्वनिधि) योजना के तहत मुरलीपुरा जोन में 22 एवं 23 नवंबर को आयोजित होगा शिविर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पी.एम.स्वनिधि) योजना के क्रियान्वयन में गति लाने के उद्देश्य से 18 नवंबर 2024 से 2 दिसम्बर 2024 तक ''स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी'' पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शुक्रवार को मुरलीपुरा जोन कार्यालय पर 2 दिवसीय शिविर लगाया जायेगा। इसके पश्चात् विद्याधर नगर जोन कार्यालय में 25 एवं 26 नवंबर को, जगतपुरा जोन कार्यालय में 27 एवं 28 नवंबर को, सांगानेर जोन कार्यालय में 29 एवं 30 नवंबर को एवं झोटवाड़ा जोन कार्यालय में 2 दिसम्बर को शिविर आयोजित किये जायेगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से यूनाइटेड किंगडम के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

सिंगापुर, यूके के प्रतिनिधिमण्डल के लिए मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज आयोजित, मंत्रिपरिषद् के सदस्य, सांसद एवं वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर यूनाइटेड किंगडम से आए प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमण्डल को आगामी 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में पार्टनर कंट्री बनने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के किले भी यूके के एडिनबर्ग और विंडसर किले के समान ही भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। राजस्थान में प्रमुखता से पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पत्थर, गहने इत्यादि के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतिनिधिमण्डल की इस यात्रा से यूके और भारत एवं विशेषकर राजस्थान के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को अधिक मजबूती मिलेगी।यूनाइटेड किंगडम के प्रतिनिधिमण्डल में शेरोन हॉजेसन, शिवानी राजा, हलेना डॉलीमोर, कनिष्क नारायण, साहिल वेद हंसरानी, पुनीत गुप्ता, अतुल झांब, क्षितिज सिंघवी एवं गौरव चक्रवर्ती एवं उमर शामिल थे। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री श्री के.के. विश्नोई भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज का हुआ आयोजन

सिंगापुर एवं यूनाइटेड किंगडम से राजस्थान दौरे पर आए प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सिंगापुर के प्रतिनिधिमण्डल में डिजिटल विकास और सूचना मंत्रालय वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, प्रधानमंत्री कार्यालय से वरिष्ठ राज्यमंत्री डेसमंड टैन कोक मेंग, शिक्षा और जनशक्ति राज्य मंत्री गेन सियो हुआंग, शिक्षा और वित्त मंत्रालय से वरिष्ठ संसदीय सचिव शॉन हुआंग एवं संसद सदस्य जी याओ क्वान, राचेल ऑग एवं सक्तियादी सुपाट सहित अन्य सदस्य रात्रिभोज में शामिल हुए। साथ ही उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सांसद मदन राठौड, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पूर्व मंत्री श्री अरूण चतुर्वेदी सहित विधायकगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिंगापुर प्रतिनिधि दल ने राजस्थान विधानसभा का दौरा किया, संसदीय प्रणाली को समझा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने मुलाकात की। दल का स्वागत राजस्थानी परंपरा के अनुसार तिलक और माला पहनाकर किया गया। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल के नेता, वरिष्ठ राज्य मंत्री जेबिल पुथुचेरी को विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट की। सिंगापुर दल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली, कार्य संचालन और परंपराओं का गहन अध्ययन किया। देवनानी ने सदन की कार्य प्रणाली, स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के प्रावधान और समितियों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधि मंडल ने विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का भी अवलोकन किया।

सिंगापुर के प्रतिनिधियों ने राजस्थान की सुंदरता और संभावनाओं की सराहना की। उन्होंने इस यात्रा को राजस्थान और सिंगापुर के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाला बताया। इस दौरान आसाम विधान सभा की अधीनस्थ समिति ने भी विधान सभा का दौरा किया। देवनानी ने संसदीय समितियों की महत्ता पर जोर दिया। आसाम समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया और संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे देवनानी को विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, अन्य विधायकों और अधिकारियों ने उनकी सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षणः 82.7% कार्य पूर्ण, उत्पादन जल्द शुरू होगा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बालोतरा के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का दौरा किया। उन्होंने बिगेस्ट पेटकोक, डीसीयू, वीडीयू और डीआईएल सहित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण कर सल्फर रिकवरी यूनिट समेत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। 9% मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाली बीएस-6 मानक की रिफाइनरी, राज्य का ड्रीम प्रोजेक्ट है। परियोजना का 82.7% कार्य पूरा हो चुका है। 10 प्रमुख इकाइयों में से अधिकांश का 90-98%काम पूर्ण हो चुका है। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से निर्माण कार्य में तेजी लाने की बात कही ताकि उत्पादन शीघ्र शुरू हो सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए इसे राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर मानते हैं। रिफाइनरी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमलाकर विखार ने बताया कि रिफाइनरी जल्द लांचिंग के लिए तैयार हो रही है।यह रिफाइनरी पेट्रोल, डीजल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन के साथ राज्य में औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व वृद्धि में योगदान देगी। अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा ने बताया कि रिफाइनरी में विश्वस्तरीय उत्पाद तैयार होंगे।

आई.आई.टी.एफ.2024

राजस्थान मंडप में राजस्थानी मसालों और व्यंजनों के काउंटरों पर उमड़ी भीड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 नवम्बर से शुरू हुए 14 दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद और मसालों की खुशबू ने मेला देखने आए आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित किया। राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद के लिए मंडप में लगे काउंटरों पर भीड़ दिखी।

मंडप में काउंटर न. 9 पर नागौर से आए बाबू लाल कैटरर्स के प्रतिनिधि ने बताया कि काउंटर पर राजस्थानी मसालों से बने भेलपूड़ी और चना जोर गर्म की बिक्री तेजी से बढ रही है। उन्होने बताया कि इसके अलावा राजस्थानी पापड़, मंगोड़ी और मसालों की खुशबू से दर्शक इनको खूब पसंद कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त काउंटर न 13 पर श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ के एस.के.फूड प्रोडक्ट्स के प्रतिनिधि ने बताया कि उनकी पैक्ड फूड आईट्म्स अचार, पापड़, नमकीन इत्यादि को लोगों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। उनके उत्पादों की अच्छी बिक्री हो रही है। उल्लेखनीय है कि आईआईटीएफ की इस बार की

मेला थीम के अनुसार राजस्थान पवेलियन में राजस्थान की प्रगति, नवाचार और सांस्कृतिक विरासत को बखूबी दिखाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी महीने में राजस्थान में होने वाली राइजिंग राजस्थान समिट -2024 में निवेशकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी पवेलियन में विशेष व्यवस्थाएं की गई है, जहां देश-विदेश से आए व्यापारियों और दर्शकों के लिए राजस्थान में निवेश के अवसरों को समझने और राजस्थान की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

राजस्थान मंडप में रीको, बीआईपी, उद्योग विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन विभाग के साथ-साथ रूढा और राजस्थली द्वारा अपने-अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया है। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से भाग लेने आए उद्यमियों और हुनरमंद कलाकारों के लगभग 23 स्टालों का प्रदर्शन किया गया है जिसमें राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प उत्पादों में विशेष रूप से लाख की चूड़ियां, महिलाओं के श्रृंगार के विविध आइटम्स, टेक्सटाइल के समान, रजाइयों के साथ ही राजस्थानी खान पान स्टॉल भी लगाए गए हैं।

जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सांसद मंजू शर्मा एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुई जनसुनवाई

- 241 फरियादियों की हुई सुनवाई
- 36 परिवेदनाओं का मौके पर ही हुआ निस्तारण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना एवं जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ।सांसद मंजू शर्मा सहित विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों की

मौजूदगी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने 241 परिवादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 36 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 241 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेंशन शुरू करवाने, छात्रवृत्ति, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, पत्थरगढ़ी, कृषि भूमि में आवागमन हेतु रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा बनवाने, नामांतरण जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं। जनसुनवाई में जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा, विधायक गोपाल शर्मा, डॉ शिखा मील बराला, विधायक प्रशांत शर्मा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) अशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय .....

बसपा के लिये एक बार फिर बुरा सपना तो साबित नहीं होंगे उप चुनाव

उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव में जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमो मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा-सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी, जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा-सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी-सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेगें, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उधर, कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा।

समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा।

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं।अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। भोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिवक्ता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए।

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता।

घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत-प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है।

चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके।

चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे।

चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था,

- चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है।

- आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है।

- अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है।

इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड-लाइन जारी की थी। इसके अनुसार,

- चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा।

- संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो।

- पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए, जिन्हें पूरा किया जाना संभव हो।

दुर्भाग्यवश चुनाव आयोग की गाइड लाइन भी बहुत प्रभावी नहीं हो पा रही है। हवा-हवाई वायदे भी खूब किए जा रहे हैं। इनमें रोजगार और नौकरियों को लेकर की जाने वाले वायदे पहले नंबर पर हैं। कल्याणकारी योजनाएं भी इसी कैटेगरी में आती हैं। लेकिन बहुत कम राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो कल्याणकारी योजनाओं से संबंधि वायदे करते वक्त उन्हें पूरा करने के लिए जुटाई जाने वाली रकम और उनके स्रोत और तरीकों की जानकारी नहीं देते। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता का दबाव ही है कि कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वायदे खूब हो रहे और हर राजनीतिक दल अपने ढंग से लागू भी कर रहा है। भले ही राज्य के खजाने की हालत खस्ता ही क्यों ना हो जाए। लेकिन यह भी सच है कि उस पर खर्च होने वाले फंड के स्रोत को लेकर जानकारी नहीं दी जा रही। साफ है कि चुनाव आयोग की गाइड लाइन इस संदर्भ में नाकाम लग रही है।

मौजूदा आर्थिकी में लाभ पर जोर है, रोजगार का सवाल लगातार पीछे छूटता जा रहा है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि राजनीतिक दल इसी आर्थिकी को आगे बढ़ाने के साथ ही हवाई वायदों की फेहरिस्त भी जारी करते रहते हैं। चूंकि वोटरों के हाथ बंधे हुए हैं, इसलिए वे भी सवाल उठाने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।

यहां पर याद आता है, संविधानसभा के सदस्य अनंत शयनम अयंगार के वे शब्द, जो उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों पर अदालती चाबुक के तर्क के विरोध में दिया था। तब उन्होंने जनता की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि पांच साल में एक बार जब चुनाव होंगे, तब मतदाताओं के लिए यह विकल्प होगा कि वे उन्हीं लोगों को न चुनें जो जनता की राय से अलग हैं।

लेकिन क्या ऐसा हो पा रहा है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर हवाई वायदे ना हों और जो किए जाएं, उन्हें लागू कैसे किया जाए?

समसामयिक

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

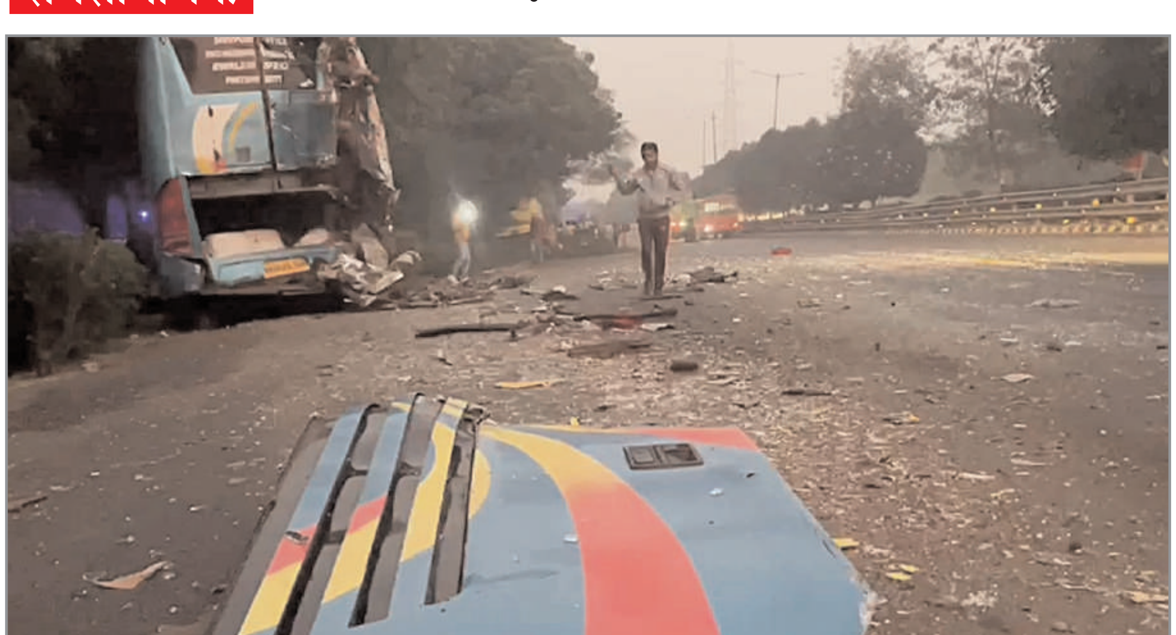

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है।परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं।

झरोका

साइंस में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले वैज्ञानिक थे सीवी रमन

भारत में विज्ञान को नई ऊंचाइयां देने वाले वेंकट रमन की आज ही के दिन यानी की 21 नवंबर को मृत्यु हो गई थी। वह एक वैज्ञानिक होने के साथ एक महान शिक्षक भी थे। दुनिया उनको रमन प्रभाव के लिए ज्यादा जानती है। वेंकट रमन को उनके जीवन के आधे पड़ाव पर ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन विज्ञान और शिक्षा के लिए लगा दिया। वह एक समर्पित वैज्ञानिक, कर्मठ शिक्षक और देशभक्त के रूप में अपना काम करते रहे। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर सीवी रमन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

मद्रास प्रेसिडेंसी के तिरुचिरापल्ली में 07 नवंबर 1888 को चंद्रशेखर वेंकट रमन का जन्म हुआ था। वह बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छे थे। स्नातक पूरा करने के बाद उन्होंने ध्वनिकी और प्रकाशिकी पर कार्य करना शुरू किया और फिर लंदन से लौटने के दौरान उनको रमन प्रभाव की खोज करने की प्रेरणा मिली।

विज्ञान संस्थानों की स्थापना

सीवी रमन सिर्फ अपने प्रयोगों में ही डूबे नहीं रहते थे, बल्कि उन्होंने साल 1926 में इंडियन जनरल ऑफ फिजिक्स की शुरुआत की। वहीं साल 1933 में बेंगलुरू में भारतीय विज्ञान संस्थान के पहले निदेशक का पद संभाला और इसी साल उन्होंने भारतीय विज्ञान अकादमी की स्थापना भी की। फिर साल 1948 में भारतीय विज्ञान संस्थान से रिटायरमेंट के बाद उन्होंने गलुरू में ही रमन अनुसंधान संस्थान की स्थापना की और साल 1970 तक यहीं काम करते रहे।

खास पत्थरों का कलेक्शन

सीवी रमन ने कई खास पत्थर, खनिज और अन्य पदार्थ जमा किए थे। यह सभी उन्होंने प्रकाश प्रकीर्णन गुणों के लिए इकट्ठा किया था। इनमें से कुछ उन्होंने खुद तलाश किए, तो कुछ उनको भेंट मिले थे। सीवी रमन अपने साथ हमेशा एक छोटा स्पैक्ट्रोस्कोप रखा करते थे। इसको आज भी आईआईएससी में देख सकते हैं।

सम्मान

साल 1954 में डॉ सीवी रमन को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने रमन प्रभाव की खोज 28 फरवरी 1928 को की थी। इसलिए 28 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि रमन के वैज्ञानिक जीवन में लॉर्ड रदरफोर्ड का बहुत योगदान था। लॉर्ड रदरफोर्ड ने सीवी रमन को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया था। वहीं साल 1932 भारतीय विज्ञान संस्थान के निदेशक पद के लिए उनकी अनुशंसा की थी।

खलनायक बन नंदमुरी बालकृष्ण से दो-दो हाथ करते दिखे बॉबी देओल-रवि किशन

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एनबीके 109 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर आए दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टाइटल टीजर जारी कर दिया है। इसके साथ ही वीडियो में अभिनेता की दमदार झलक भी देखने को मिली। नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 के निर्माताओं ने आज शुक्रवार, 15 नवंबर को फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया। फिल्म के पहले लुक वीडियो में नंदमुरी बालकृष्ण को एक डाकू के अवतार में दिखाया गया है और इसलिए इसका शीर्षक डाकू महाराज रखा गया है। अगले साल संक्रांति पर बड़ी रिलीज के रूप में आने वाली यह फिल्म एक ऐसे राजा की कहानी है, जिसने बिना किसी राज्य के लड़ाई लड़ी। यह एक ऐसे व्यक्ति की भी कहानी है, जिसे मृत्यु को भी हिला देने वाले सम्राट के रूप में सम्मानित किया गया। फिल्म का निर्माण करने वाली आधिकारिक प्रोडक्शन कंपनी सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने ट्विटर पर फर्स्ट लुक वीडियो साझा किया और नंदामुरी बालकृष्ण को डाकू महाराज के रूप में पेश किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में रवि किशन और बॉबी देओल बतौर खलनायक नजर आएंगे, जिसकी झलक टीजर में भी देखने को मिली।

बॉबी-रवि की खलनायकी

टीजर में निर्देशक की खुद की आवाज भी शामिल है, जिसमें मुख्य खलनायकों को एक-एक करके पेश किया गया है। रवि किशन और बॉबी देओल स्टाइलिश अंदाज में दिखाई देते हैं, इसके बाद यह खुलासा होता है कि फिल्म की कहानी इन गुंडों के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें नियंत्रित करने वाले के बारे में है। इसके बाद बालकृष्ण घोड़े पर सवार होकर बहादुरी के साथ प्रवेश करते हैं और खुद को डाकू महाराज के रूप में पेश करते हैं।

ऋतिक रोशन की वॉर 2 से श्रद्धा कपूर के जुड़ने की है चर्चा

जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन की आगामी फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस के बीच जबर्दस्त उत्सुकता है। फिल्म की हर छोटी-बड़ी जानकारी पर फैंस लगातार नजरें बनाए रखते हैं। इस वजह से फिल्म को लेकर कई तरह की अटकलें भी काफी ज्यादा जोर पकड़ लेती हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये अटकलें लगाई गई है कि इस बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर में एक खास गाना होने वाला है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर नजर आएंगी।

श्रद्धा कपूर के डांस नंबर की है चर्चा

इस तरह के रिपोर्ट्स से निश्चित ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि, इस तरह की अटकलों पर फिल्म की टीम के तरफ से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। इसलिए फैंस को अभी और इंतजार करना पड़ेगा, निर्माताओं की आधिकारिक पुष्टि के बाद ही इस पर विश्वास किया जा सकता है। बताते चलें कि वॉर 2 की शूटिंग इस वक्त जोर-शोर से जारी है। फिल्म में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन एक दूसरे से भिड़ते नजर आने वाले हैं।

अयान मुखर्जी कर रहे हैं निर्देशन

जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन के पहली बार पर्दे पर एक साथ आने से फिल्म को लेकर उत्साह काफी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा इसके पिछले भाग की सफलता ने भी इसके अगले भाग के लिए माहौल बनाया हुआ है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे है, जिन्होंने वेक अप सिड, ये जवानी है दिवानी, ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्में बना चुके है। ऐसे में वॉर 2 दर्शकों से एक शानदार विजुअल और इंटेंस एक्शन थ्रिलर का वादा करती है। फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा के यशराज बैनर के तले किया जा रहा है।

यशराज के स्पाई यूनिवर्स का है हिस्सा

बताते चलें कि वॉर साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ एक दूसरे से भिड़ते हुए नजर आए थे। दोनों अभिनेताओं को एक साथ देखने के लिए फैंस सिनेमाघरों में भारी संख्या में पहुंचे थे और फिल्म सुपरहिट रही थी। बताते चलें कि ये फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली किस्त होगी। इस यूनिवर्स के तहत यशराज टाइगर सीरीज, वॉर बना चुका है तथा आलिया और शरवरी अभिनीत अल्फा की शूटिंग जारी है, जो स्पाई यूनिवर्स की ही अगली कड़ी होगी।

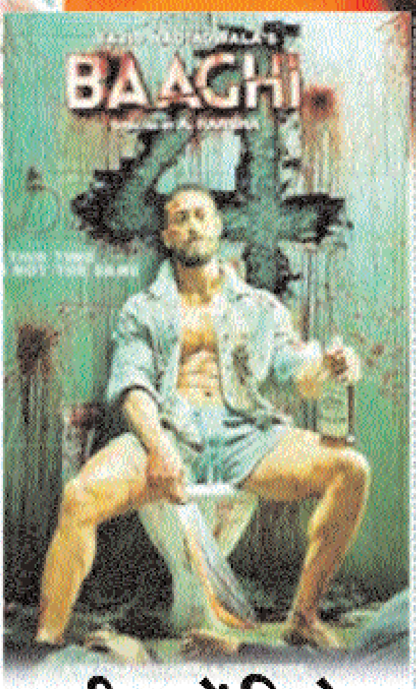

बागी 4 में दिखेगा टाइगर श्रॉफ का सबसे खूंखार अवतार

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ हाल ही में रिलीज हुई सिंघम अगेन में दिखाई दिए थे। इसके पहले आई उनकी सभी फिल्में फ्लॉप रही थीं। अब वह अपनी सुपरहिट फिल्म बागी से वापसी कर रहे हैं। एक्शन फ्रैंचाइज की चौथी किस्त बागी 4 का पहला पोस्टर सोमवार 18 नवंबर सुबह मेकर्स ने जारी किया। पोस्टर में एक्टर का उनके मशहूर किरदार रॉनी का खतरनाक लुक देखने को मिल रहा है। लोग उन्हें इस अवतार में देखने के लिए एक्साइटेड हैं। इस मूवी की रिलीज डेट भी सामने आई गई है। आइए बताते हैं कि आप कब देख सकेंगे। बागी 4 के फर्स्ट-लुक पोस्टर में टाइगर को खून से लथपथ, एक टूटे-फूटे वॉशरूम में कमोड पर बैठे हुए दिखाया गया है। उन्होंने एक हाथ में चाकू, दूसरे हाथ में शराब की बोतल पकड़ी हुई है और सीधे कैमरे की ओर देखते हुए सिगरेट चबा रहे हैं। वहीं उनके सामने फर्श पर लोगों की बॉडी पड़ी है, जिन्हें उन्होंने मार गिराया है। जबकि पीछे की दीवारों पर खून के छींटे थे। टाइगर के ठीक ऊपर की दीवार पर 4 उकेरा गया है। पोस्टर में लिखा है- इस बार, वह पहले जैसा नहीं है। साजिद नाडियाडवाला की प्रोड्यूस्ड फिल्म बागी 4 आने वाले 5 सितंबर, 2025 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है। बागी 4 का डायरेक्शन ए हर्ष ने किया है, जो बजरंगी और वेदा जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

साउथ सिनेमा में है बहुत एकता

अभिनेता अजय देवगन और अक्षय कुमार ने बॉलीवुड सिनेमा को लेकर कुछ बातें कही हैं। एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में अक्षय कुमार और अजय देवगन ने साउथ सिनेमा और बॉलीवुड को लेकर कुछ बातें कही हैं। दोनों अभिनेताओं का मानना है कि इंडस्ट्री में एकता की कमी है। अजय देवगन ने कहा, मैं मानता हूं कि हमारे पास एकता नहीं हूं। इस बात को अक्षय कुमार ने भी माना। उन्होंने कहा, मैं इस बात की सराहना करता हूं कि किस तरह से एक साथ मिलकर काम करते हैं। दोनों इस दौरान साउथ सिनेमा के काम को लेकर बात कर रहे थे।

बॉलीवुड सिनेमा को लेकर बोले अक्षय कुमार

जब अभिनेता से फिल्म इंडस्ट्री में एकता के बारे में पूछा जाए। हिंदी सिनेमा में दो अभिनेता और दो अभिनेत्रियों को लेकर फिल्में क्यों नहीं बनती। अक्षय कुमार ने कहा, अजय और मैंने साथ में की फिल्में की हैं। मैंने सुनील शेट्टी के साथ भी काम किया है। अब ऐसा नहीं होता, ये बहुत ही दुखद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन इन दिनों सन ऑफ सरदार 2 के लिए काम करने वाले हैं। अक्षय कुमार इन दिनों स्काईफोर्स, शंकरा और जॉली एलएलबी 3 और हाउसफुल 5 में नजर आने वाले हैं।

दिव्यांका के लिए आसान नहीं था अभिनेत्री बनने का सफर

दिव्यांका त्रिपाठी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। दिव्यांका पिछले काफी दिनों से बेबी प्लानिंग को लेकर ट्रोलिंग का शिकार हो रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। दिव्यांका ने अपने दम पर टीवी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है, हालांकि अभिनेत्री के इस फैसले को लेकर परिवार वाले खिलाफ थे। परिवार वालों का कहना था कि दिव्यांका अपने इस फैसले के कारण परिवार का नाक कटवाएंगी। दिव्यांका के पेरेंट्स ने इस फैसले को लेकर उनका सपोर्ट किया था।

टॉम्ब रेडर सीरीज में लारा क्रॉफ्ट की भूमिका निभा सकती हैं सोफी टर्नर

गेम ऑफ थ्रोन्स में सैंसा स्टार्क की भूमिका के लिए मशहूर सोफी टर्नर कथित तौर पर प्राइम वीडियो के लिए आने वाली टॉम्ब रेडर सीरीज में हॉलीवुड स्टार लारा क्रॉफ्ट की प्रतिष्ठित भूमिका निभा सकती हैं। यह सीरीज लोकप्रिय टॉम्ब रेडर वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित है, जिसे पहले एंजेलीना जोली और एलिसिया विकेंडर ने निभाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोफी टर्नर उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने इस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया है। टॉम्ब रेडर सीरीज में फीबी वालर-ब्रिज लेखक और निर्माता दोनों के रूप में काम करेंगी। फीबी एक अंग्रेजी लेखिका, निर्माता और अभिनेत्री हैं, जिनके टेलीविजन और फिल्म में काम के लिए जाना जाता है। फ्लीबैग, किलिंग ईव, सोलो- ए स्टार वार्स स्टोरी और नो टाइम टू डाई जैसी फिल्में और सीरीज के लिए जानी जाती हैं। फोबे वालर-ब्रिज इंडियाना जोन्स और डायल ऑफ डेस्टिनी में भी दिखाई दी हैं और उन्होंने डैनियल क्रेग की जेम्स बॉन्ड फिल्म नो टाइम टू डाई का सह-लेखन किया है।
फीबी ने कहा, एक महिला एक्शन किरदार निभाने का अवसर... बॉन्ड पर काम करने और इंडी पर एक अभिनेता के रूप में काम करने के बाद, मुझे लगता है कि मैं इसके लिए खुद को तैयार कर रही हूं। क्या होगा अगर मैं एक एक्शन फ्रैंचाइजी की बागडोर संभाल सकूं, जो मैंने सीखा है, एक ऐसे किरदार के साथ जिसे मैं पसंद करती हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टॉम्ब रेडर सीरीज में सोफी टर्नर नजर आ सकती हैं। फिल्म का निर्माण वेल्स स्ट्रीट प्रोडक्शंस के माध्यम से फोबे वालर-ब्रिज और जेनी रॉबिन्स द्वारा किया जा रहा है। टॉम्ब रेडर वीडियो गेम के निर्माता क्रिस्टल डायनेमिक्स, अमेजन एमजीएम स्टूडियो के साथ मिलकर सीरीज के निर्माण करेंगे। कंसल्टिंग प्रोड्यूसर में उनके स्टार पार्टी बैनर से अमांडा ग्रीनब्लाट और रयान एंडोलिना शामिल हैं। यह सहयोग प्राइम वीडियो पर लारा क्रॉफ्ट के बेहतरीन काम को दर्शाएगा।

दिवंगत इरफान के बेटे बाबिल के साथ काम कर रहे हैं शूजित सरकार

मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक शूजित सरकार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने अपने दिवंगत दोस्त और अभिनेता इरफान खान के साथ अपनी दोस्ती को लेकर भी बात की है।

उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि वो इरफान के बेटे बाबिल के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी सफल और प्रशंसित फिल्म सरदार उधम सिंह को लेकर दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में पहले दिवंगत इरफान खान को मुख्य भूमिका में लेने की योजना थी।

बाबिल के साथ भी काम कर रहे हैं शूजित

इरफ़ान के साथ अपने निजी और पेशेवर संबंधों पर विचार करते हुए, शूजित ने साझा किया, इरफान एक प्यारे दोस्त थे। मुझे लगता है कि अब एक बहुत बड़ा शून्य है। इरफान के साथ फिल्म निर्माता का स्थायी संबंध उनके बेटे, बाबिल खान के साथ भी आगे बढ़ा है। शूजित ने खुलासा किया कि बाबिल उनकी आगामी फिल्म द उमेश क्रॉनिकल्स का हिस्सा हैं, एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें अमिताभ बच्चन का भी कैमियो है। उन्होंने कहा, मैंने उनके बेटे को एक फिल्म के लिए कास्ट किया और यह अभी भी प्रक्रिया में है। वह हमारे साथ एक फिल्म कर रहे हैं।

मेरी सभी फिल्में इरफान के इर्द-गिर्द घूमती हैं

इरफान के साथ अपने गहरे रिश्ते के लिए मशहूर निर्देशक ने माना कि अभिनेता उनके लिए एक रचनात्मक प्रेरणा रहे। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में मेरी सभी फिल्में इरफान के इर्द-गिर्द घूमती हैं। इसलिए विक्की इसके थोड़ा करीब आ पाए। उन्होंने सरदार उधम में बेहतरीन काम भी किया। हालांकि, इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि उन्हें फिल्म के लिए इरफान खान की कमी खली। दिवंगत अभिनेता की बेहतरीन अभिनय क्षमता को याद करते हुए उन्होंने फिल्म में विक्की के प्रदर्शन की सराहना की।

अभिषेक बच्चन के अभिनय से संतुष्ट हैं निर्देशक

इस बातचीत के दौरान शूजित सरकार ने यह भी बताया कि उनकी आगामी फिल्म, आई वांट टू टॉक भी मूल रूप से इरफान को ही ध्यान में रख कर लिखी गई थी। हालांकि, अभिषेक बच्चन ने यह भूमिका निभाई और ऐसा अभिनय किया जिससे निर्देशक को बेहद संतुष्टि मिली। उन्होंने कहा, इसमें भी इरफान को ही लिया जाना था, लेकिन अभिषेक भी इसके काफी करीब पहुंच गए। उनके अभिनय से मैं बहुत संतुष्ट हूं।

सरदार उधम सिंह को बंद करना चाहते थे शूजित साइरस भरूचा के साथ बातचीत के दौरान शूजित ने इस फिल्म से जुड़ी खट्टी-मीठी यादों को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक वक्त पर दिवंगत अभिनेता इरफान खान, सरदार उधम में मुख्य भूमिका निभाने वाले थे, लेकिन फिर वो बीमार पड़ गए। निर्देशक ने बताया कि एक समय पर, वो इसे बंद करने का फैसला ले चुके थे। हालांकि, जब वह बाद में इरफान खान से मिले, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ये फिल्म बनानी चाहिए, यह उनके बच्चे जैसा है। इसके बाद इस फिल्म पर शूजित सरकार ने फिर से काम करना शुरू किया और फिल्म में विक्की कौशल की एंट्री हुई।

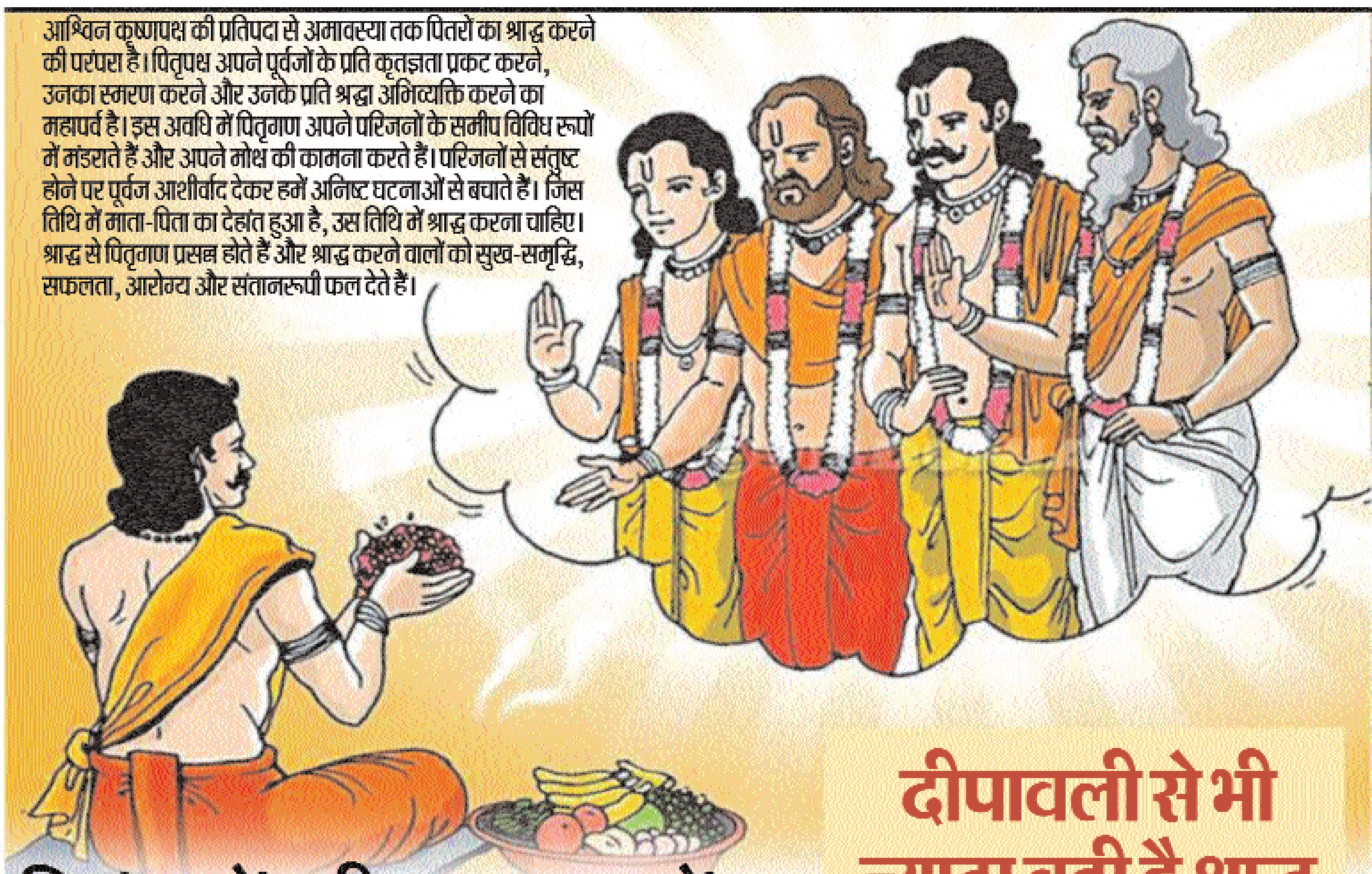

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं, ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं। उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है। हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है, बल्कि उन्हें याद किया जाता है, उनका आभार माना जाता है। इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार, दान का विशेष महत्व है। यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें। भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है। जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया। वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है। दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है। कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं। पितरों का आशीर्वाद बना रहे, पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रहने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है। श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है। श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है। इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है। आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है। इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है। धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंद्रमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें। इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ऊँ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं। किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें। मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें। आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें। साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें। चांदी के सिक्के चढ़ाएं। यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें। रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है।

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है। दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं। पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है। तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं। अत: पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है। एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव हैं। पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं। अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है। अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है। इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं। यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है। कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन: मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है। हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं। भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है। पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है। भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर। इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है। कहते हैं कि इसे ईथर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है। दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है। कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है। कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है। दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है। गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है। यह इंद्र का वाहन भी है। हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है। जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं। अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है। सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं। इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है। जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्तित्व को जल प्रलय से बचाया था। जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था। हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है। यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है। इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है।

16 दिनों में न भूलें ये बातें
पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

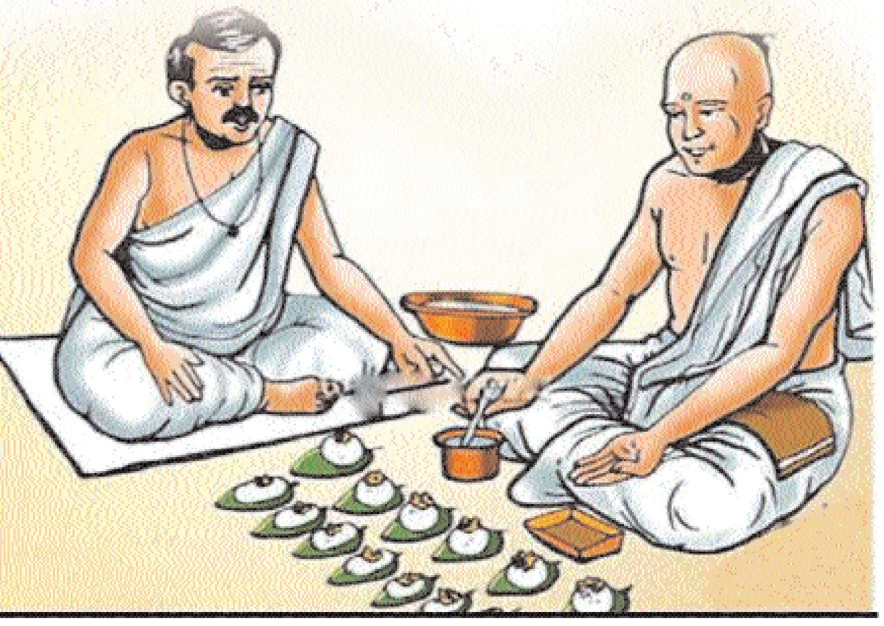

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं। यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है। 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है। इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं। अत: इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन: नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है। मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें। अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है। अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है। इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र:'' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है। इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है। अत: पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है। ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है। पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उर्ध्वगति में गए हैं वे श्राप नही देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं। उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है।

केंद्रीय विद्यालय रोड स्थित श्री राम मंदिर निर्माण हेतु किया भूमि पूजन, 51 लाख रुपए की लागत से होगा निर्माण

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.) श्री राम मंदिर निर्माण हेतु केंद्रीय विद्यालय रोड स्थित श्री राम मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। नगर वासियों द्वारा आज अभिजीत मुहूर्त में वेद मंत्र उच्चारण के साथ में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण भूमि पूजन किया। इस दौरान पंडित लालचंद गौतम ने बताया कि मंदिर का निर्माण सभी नगर वासियों के सहयोग से लगभग 51 लाख रुपए की लागत से होगा। इस दौरान मातृ-शक्तियों ने भी पूजा में भाग लिया। मंदिर के अध्यक्ष हरि सिंह नाथावत महामंत्री लालचंद गौतम कोषाध्यक्ष सीताराम मंगल संरक्षक घनश्याम सिंघल मुन्नालाल मंगल शंभू दयाल पारीक दिनेश सिंह राजावत आदि मौजूद रहे।

जलधरा परियोजना के तहत ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस.) चाकसू उपखंड क्षेत्र में ग्राम पंचायत कोटखावदा के सभा भवन में एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज द्वारा जलधरा परियोजना के तहत जल और जमीन का संरक्षण, पुनरुद्धार और सुदृढ़ीकरण को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें किसानों को कम पानी में ज्यादा उत्पादन वाली फसलों को बढ़ावा देना, कुशल एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धति, ग्राम जल बजट, घरेलू जल को रिसाइकल कर न्यूट्री गार्डन में उपयोग करना, कृषि और उद्यान विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला के दौरान बनवारी लाल, सुरभि जैन, श्रीराम मीणा, कोटखावदा ब्लॉक समन्वयक रामफूल मीणा, दयाशंकर शर्मा उपसरपंच कोटखावदा, राधेश्याम वर्मा जीएस एसएस अध्यक्ष कोटखावदा, कृषि विभाग रामकेश मीणा, नेमीचंद सैनी, सौभाग माली, संगीता चौधरी, अनिता चौधरी, पिंकी मीणा, राकेश सैनी सहित सैंकड़ों किसान मौजूद रहे।

भाजपा संगठन पर्व को लेकर कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। भाजपा मंडल की ओर से संगठन पर्व के तहत गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा में प्रातः 11.15 बजे कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रणव अग्रवाल ने की । जबकि मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय मत्री निर्मल कुमावत विशिष्ट अतिथि संगठन पर्व मण्डल सहयोगी शंकर यादव,जिला उपाध्यक्ष शिवजी राम भामू, जिला मंत्री व पार्षद सरदार चौधरी थे। मंच का संचालन निशांत सारस्वत द्वारा किया गया । कार्यशाला में वक्ताओं ने बूथ इकाइयों के गठन और संगठन की रीति नीति पर विस्तृत चर्चा करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने,एव आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने का संकल्प लिया गया । कार्यशाला में संगठन के पूर्व मण्डल अध्यक्ष,पार्षद सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

महाविद्यालय में संचार कौशल एवं आत्मरक्षा कार्यशाला का समापन

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस.) राजकीय महाविद्यालय कोटखावदा जयपुर में विगत चार दिनों से चल रही संचार कौशल एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के अंतिम दिन 'निर्भऊ नारी सुरक्षा फाऊंडेशन की संस्थापिका एवं ट्रेनर प्रभ शरण कौर द्वारा छात्राओं को घरेलू हिंसा एवं महिला अधिकारों एवं कानूनों की विस्तृत जानकारी देते एवं बचाव के तहत बातचीत को महत्वपूर्ण तरीका बताया। महिला शारीरिक उत्पीडन एव रेप के दौरान किस प्रकार आत्म रक्षा की जाये उसकी तकनीक भी बताई। वही नव पंख संस्थान जयपुर की ओर से डॉ. किर्ति शेखावत ने रचनात्मक कौशल के तहत' पैरा ग्राफ रीडिंग' कैसे की जाये उसकी विधियां बताई। कार्यशाला के अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षा प्राचार्य डॉ. शिप्रा वर्मा ने आंमत्रित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। एवं भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन कर छात्रा-छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास किया जायेगा ।

दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के प्रतिनिधि मंडल ने एडीआरएम को गुलदस्ता भेंट कर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा की ओर से नवनियुक्त (एडीआरएम) अपर रेल मंडल प्रबंधक गौरव गौड का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि इस मौके पर दैनिक रेल यात्रियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई जिसमें मुख्य रूप से (19711-19712) भोपाल, जयपुर ट्रेन भोपाल ट्रेन जयपुर (रतलाम ट्रेन) जो की 29 तारीख से रेल प्रशासन द्वारा जयपुर प्लेट नंबर दो व तीन पर कार्य चलने के कारण जयपुर में इस ट्रेन को कनकपुरा से भोपाल चलाई जाएग तथा प्रातः वापसी में भोपाल से कनकपुरा तक चलाई जाएग। यह ट्रेन शाम को 6.25 पर जयपुर से रवाना होती है । इस ट्रेन में जयपुर, कनकपुरा, आसलपुर-जोबनेर, हिरनोदा, फुलेरा नरेना, किशनगढ़ साहित आस पास के दैनिक रेल यात्री इसी ट्रेन से प्रतिदिन आवगमन करते हैं । ऐसे ही यह ट्रेन प्रातः जयपुर 9.35 पहुंचती है। यह ट्रेन कनकपुरा तक 29 नवंबर से से लगभग डेढ़ महीने के लिए कनकपुरा से चलाने का रेल प्रशासन द्वारा प्रस्ताव लिया गया है । संघ द्वारा अपर रेल मंडल रेल प्रबंधक से अनुरोध किया गया। इस ट्रेन को 29 नवंबर से जयपुर से या प्लेटफार्म खाली नहीं होता है तो खातीपुरा रेलवे स्टेशन से चलाया जाए जिससे हजारों दैनिक रेल यात्रियों को इसका लाभ मिल सके ।अमृत भारत योजना के तहत फुलेरा स्टेशन पर जो कार्य चल रहा है काफी स्लो चल रहा है। प्लेटफार्म नंबर दो पर नई पुलिया के पिलर बनाने के लिए लगभग 8 दिन पूर्व चारों ओर टीन शेड लगा दी गई है मगर अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है इससे दैनिक रेल यात्री व आम यात्रियों को काफी समस्याओं सामना करना पड़ता है। इस विषय में भी विस्तार चर्चा की गई तथा संघ द्वारा अनुरोध किया गया कि फुलेरा जंक्शन पर चल रहे कार्य को गति प्रदान की जाए।अपर रेल मंडल रेल प्रबंधक गौरव गौड़ द्वारा दोनों समस्याओं को विस्तार से सुनने के बाद आश्वासन दिया कि दोनों समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और समाधान किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में संघ अध्यक्ष अशोक वासदेव जेडआरसीसी मेंबर भारत भूषण शर्मा, कानूनी सलाहकार मुकेश सेन मौजूद थे ।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सामुदायिक भवन के निर्माण की रखी आधारशिला

जयपुर टाइम्स

चौमूँ(निसं.)। ग्राम पंचायत चीथवाड़ी में रामदेव जी के मंदिर के पास 10 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। ग्रामवासियों द्वारा सामुदायिक भवन के निर्माण पर आयोजित अभिनंदन समारोह में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफ़ा पहनाकर स्वागत किया गया। ग़ौरतलब है कि पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती द्वारा सांसद कोष से सामुदायिक भवन निर्माण की अनुशंसा की गई थी, जिसकी स्वीकृति पश्चात सामुदायिक भवन का विधिवत निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इस मौक़े पर पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व सरपंच शिल्पी जैन, पंचायत समिति सदस्य सुमन बुनकर, सरपंच चौथमल जाट, डॉ नेमीचंद जेन, कालूराम बड़बड़वाल, सत्यनारायण बुनकर, रामकरण कुमावत, शंकर लाल जांगिड, प्रेमचंद, राजेंद्र शर्मा, बंशीधर बुनकर सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से गुरुवार को पंचायत समिति विराटनगर में संयुक्त सहायता अनुदान एवं विशेष योग्यजन यू0डी0आई0डी0 (चिन्हि करण) ब्लॉक स्तरीय शिविर विराटनगर में आयोजित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी महेन्द्र कुमार पिंगोलिया ने दिव्यांग जनों से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से एवं सरल भाषा में जानकारी दी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रमेश दहमीवाल ने बताया कि शिविर में यू0डी0आई0डी0 एवं दिव्यांग पंजिकरण के 101 दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया। तथा 71 दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण हेतु चिन्हित किया गया। उन्होनें बताया कि पंजीकरण के बाद चिन्हित लोगों को मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 15 दिसम्बर 2024 को जिला मुख्यालय पर शिविर आयोजित कर कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरित किये जायेगें। शिविर का उपखण्ड अधिकारी अमिता मान द्वारा निरीक्षण किया गया। शिविर में विकास अधिकारी सुरेशचन्द बागोरिया डॉ0 सुरेश कुमार, डॉ0 पुष्कर, डॉ0 श्यामसुन्दर,नवीन कुमार, कानसिंह यादव वरि0 सहायक, शिवकुमार शमा छात्रावास अधीक्षक, मोनू शर्मा इत्यादि ने अपनी सेवाएं दी। उक्त समस्त जानकारी अशोक कुमार शर्मा सहा0विकास अधिकारी द्वारा दी गई।

जय कुमावत युवा शक्ति द्वारा 6 वा प्रतिभा सम्मान समारोह 24 को

भारुंदा में विद्यार्थियों का सम्मान एवं ब्लड ग्रुप की होगी जांच

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। जय कुमावत युवा शक्ति एकता संगठन कुण्डाल परगना के तत्वाधान में 6वा प्रतिभावान सामान समारोह 24 नवंबर रविवार को भारुंदा में स्थित सरिया देवी कुमावत धर्मशाला परिसर में आयोजित होगा। शिक्षा समिति की जानकारी के अनुसार 6वा प्रतिभावान सामान समारोह तथा विशाल भजन संध्या 23 नवंबर शनिवार को होगी। इस आयोजन को लेकर सभी कार्यकर्ता तैयारी में जुटे हुए हैं। इस अवसर पर प्रतिभा एवं दानदाताओं के साथ अधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उचित अंक प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं का सम्मान जय कुमावत युवा शक्ति द्वारा किया जाएगा। युवा शक्ति की ओर से 23 नवंबर शनिवार को भजन संध्या तथा 24 नवंबर रविवार प्रातः 10.00 बजे को प्रतिभा सम्मान समारोह होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में युवा शक्ति की ओर से प्रत्येक कार्यकर्ता के ब्लड की जांच होगी जिसमें बीमारियों से ग्रसित जरूरतमंद मरीज को समय पर ब्लड देकर उसकी जान बसाई जा सकती है। गौरतलब है कि आजकल हर समाज डिजिटल प्लेट फॉर्म पर आधारित है इसी को ध्यान में रखते हुए संगठन के कार्यकर्ताओं ने अपने समाज के लिए ब्लड बैंक बनाने की योजना बनाई है जिससे जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर ब्लड के जरिए मतलब खून के बदले खून देकर बीमारी से मुक्ति दिलाने में यह कदम मिल का पत्थर बनेगा।

ज़िला स्तरीय जनसुनवाई का हुआ आयोजन, राज्य सरकार द्वारा जारी रैंकिंग में शाहपुरा प्रथम स्थान पर

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा(निसं.)। प्रत्येक माह के तीसरे गुरुवार को आयोजित होने वाली जन सुनवाई में आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। ज़िला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने जन-सुनवाई में आम जनता की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश जारी किए।जनसुनवाई में कुल 30 प्रतिवाद प्राप्त हुए। जिसमें से 3 परिवादों का मौक़े पर ही निस्तारण किया गया। जनसुनवाई में प्रमुख रूप से अतिक्रमण, रास्ते के प्रकरण, पानी भराव की समस्या, गंदगी, जल निकासी, पानी का कनेक्शन, राशन कार्ड चालू करवाने, तथा पुलिस संबंधी प्रकरण प्राप्त हुए। जिनको जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में सचिवालय से उच्च अधिकारिगण भी जुड़े। जिला कलेक्टर शेखावत ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी ज़िला स्तरीय जनसुनवाई में प्रकरणों का डिस्पोजल राज्य के अन्य जिलो की तुलना में सबसे कम समय सीमा में होने के फलस्वरूप शाहपुरा ज़िला प्रथम स्थान पर रहा। इस दौरान नगर परिषद सभापति रघुनन्दन सोनी, एएसपी राजेश आर्य,जहाजपुर एसडीएम राजकेश मीणा , नगर परिषद आयुक्त राम किशोर सहित जिला स्तरीय अधिकारी तथा सभी उपखंड से उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.
Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :/न.पा.ता./2024/4417–21 दिनांक :–20.11.2024

ई– निविदा सूचना 6/2024–25

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षेत्र में MP/LAD मद से व नगरपालिका तारानगर स्वीकृत कार्य ऑन लाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका,राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिंनाक 21.11.2024 से दिंनाक 06.12.2024 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No DLB2425A3967
Amount :-9.22 Lakh

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका तारानगर

राज.संवाद/सी/24/8094

कार्यालय ग्राम पंचायत मेलूसर पंचायत समिति रतनगढ चूरू

कमांक :- 008 दिनांक :-21.11.2024

आपति नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्वामित्व योजनान्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग से प्राप्त ग्राम मेलूसर, मालासर, छोटडिया के मैप 2.0 एंव प्रॉपर्टी आईडी की सूची आमजन के अवलोकनार्थ पंचायत कार्यालय पर चस्पा कर दी गई है।
उक्त मैप 2.0 एंव प्रॉपर्टी आईडी सूची के संबंध में किसी को कोई भी आपति हो तो आपति नोटिस जारी दिनांक से 15 दिन के अन्दर कार्यालय समय में मय दस्तावेज व्यक्तिशः उपस्थित होकर या डाक द्वारा आपति दर्ज करवा सकते हैं। आपति दर्ज करवाने की अवधि निकल जाने के पश्चात कोई आपति स्वीकार नही की जायेगी।
यह नोटिस कार्यालय की मोहर एंव मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20.11.2024. को जारी किया गया।

सरपंच
ग्राम पंचायत मेंलूसर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मेलूसरकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत भरपालसर पंचायत समिति रतनगढ चूरू

कमांक :- 048 दिनांक-21.11.2024

आपति नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्वामित्व योजनान्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग से प्राप्त ग्राम भरपालसर चारणान, भरपालसर बिदावतान, भरपालसर लाडखानीयां, आबड़सर, छाजुसर के मैप 2.0 एंव प्रॉपर्टी आईडी की सूची आमजन के अवलोकनार्थ पंचायत कार्यालय पर चस्पा कर दी गई है।
उक्त मैप 2.0 एंव प्रॉपर्टी आईडी सूची के संबंध में किसी को कोई भी आपति हो तो आपति नोटिस जारी दिनांक से 15 दिन के अन्दर कार्यालय समय में मय दस्तावेज व्यक्तिशः उपस्थित होकर या डाक द्वारा आपति दर्ज करवा सकते हैं। आपति दर्ज करवाने की अवधि निकल जाने के पश्चात कोई आपति स्वीकार नही की जायेगी।
यह नोटिस कार्यालय की मोहर एंव मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 21.11.2024. को जारी किया गया।

सरपंच
ग्राम पंचायत भरपालसर पं. स. सानगढ़

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भरपालसर

कार्यालय-ग्राम पंचायत-श्यामपुरा पंचायत समिति-पाटन, तह. - नीमकाथाना, जिला-सीकर (राज.)

क्रमांक 2024-25/101 दिनांक 20-11-2024

निविदा सूचना सं. 09-12/2024-25

इस कार्यालय द्वारा नियम 181 अन्तर्गत कार्यों की खुली निविदाएं आमंत्रित की जा रही है। जिसे आज दिनांक से 26-11-2024 समय 2:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान निविदा प्रपत्र को देखा जा सकता है। अथवा http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिसका NIB Code PKP2425A0128 तथा UBN : PKP2425WSOB00214 से PKP2425WSOB00217 तक है।

सरपंच
ग्राम पंचायत श्यामपुरा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत श्यामपुरा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांकः 3002-3020 दिनांकः 14/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्याः 16/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईटhttp://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No.PWD2425A2638

S.No	UBN NO.	S.No	UBN NO.
1	PWD2425WSO809647	2	PWD2425WSOB09648

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

DIPR/C/11455/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांक-3307 दिनांकः- 14/11/2024

निविदा सूचना संख्या 14/ वर्ष 2024-25 (NIB Code No. PWD2425A2656)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों द्वारा एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/के लो.नि.वि./डाक एवं दूरसंचार/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के संवेदकों के समकक्ष (पी.डब्ल्यू, एफ, एण्ड ए. आर, के नियमों) हो उनसें निर्धारित प्रपत्र में विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 25.11.2024 तक दोपहर 3:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र उसी दिन दिनांक 25.11.2024 की मध्यान्ह 04.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त कर उसी समय उपस्थित संवेदको के समक्ष खोली जायेगी। निविदा की अन्य शर्तें एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्तें व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 03 कुल लागत 6.05 लाख।

UBN No. 1. PWD2425W50B09708
2. PWD2425WS0009709
3. PWD2425WSO809712

(दिलीप मण्डरांवलिया)
अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/11436/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सा०नि०वि० वृत चूरू

क्रमाक-1685 दिनांक 14.11.2024

अल्पकालीन-ई-निविदा सूचना संख्या 04/2024-25

इच्छुक निविदादाताओं से जिला चूरू में आर.यू.बी. का निर्माण कार्य (मय पाँच वर्ष के दोष निवारण व सुधार अवधि) कुल 3 आर.यू.बी. कार्यों हेतु अनुमानित लागत राशि रू० 1431.05 लाख की अल्पकालीन ऑन लाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। कार्य के निविदा प्रपत्र दिनांक 25.11.2024 साथ 6.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड करना आवश्यक होगा। उक्त निविदा से सम्बन्धित विवरण राज्य सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://pwd.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

एन.आई.बी.नं.: PWD2425A2650
यू.बी.एन नं :-
1. PWD2425WLOB09695
2 PWD2425WSO809696
3. PWD2425WSO809697

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि वृत चूरू

DIPR/C/11417/2024

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
22 नवम्बर, 2024

सीजन शुरू होते ही लपकों के शिकंजे में फंसने लगे पर्यटक

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। सर्दी मौसम का आनंद लेने निकले पर्यटकों के साथ ही इन दिनों हेरिटेज सिटी मण्डावा में चहल-पहल बढ़ गई है। अगले पूरे छह माह देशी-विदेशी पर्यटकों का सीजन है। इससे लपकागिरी और व्यवसायिक खींचतान भी शुरू हो गई है। कई शराबी लपके विदेशी पर्यटको के साथ अभद्र व्यवहार करते है। लेकिन पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के माकूल इंतजाम नहीं हैं। मण्डावा में इन दिनों देशी - विदेशी पर्यटकों की रेलमपेल है। इसके बावजूद तो पुलिस, पर्यटन और भारतीय पुरातत्व विभाग ने कोई पुख्ता प्रबंध किए हैं। लपका गिरोह सक्रिय हो गया है। पर्यटकों को देखते ही अपनी पार्टी बनाने की होड़ लग रही है। कई जगह पारंपरिक वेशभूषा पहनावे की दुकान पर एक पर्यटको को परेशान किया जाता है। हैंडीक्राफ्ट प्रतिस्पर्धा लपका गिरोह को बढ़ावा दे रही है। गत एक पखवाड़े में लपकों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाहर के पर्यटकों के शहर में घुसते ही उनके पीछे लपके लग जाते हैं। दिल्ली - बीकानेर मार्ग से आने वाले पर्यटक वाहनों पर डोरा डालने के लिए लपके बाइक लेकर तैनात रहते हैं। यहां से पूरे दुर्ग मार्ग तक पर्यटक वाहन के पीछे-पीछे लपके बाइक लेकर उन्हें फोर्ट विजिट कराने, रेस्टारेंट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कहते हैं। शहर में किला रोड पर सौंथलिया गेट के निकट भी लपके तैनात रहते हैं। इसके बाद ठेठ किले पर व्यू पोइंट और रघुनाथ मंदिर तक ये लपके पीछा करते रहते हैं। कई लपके तो शराब पीकर विदेशी पर्यटको को भ्रमण करवाते है जिससे हमारे देश की छवि खराब हो रही है। पर्यटनविभाग ने 71 पर्यटकों को और आरटीडीसी आईटीडीसी ने तीन-चार गाइडों को लाइसेंस जारी है। उम्रदराज होने से इनमें से कुछ बहुत कम गाइडिंग कर पाते हैं। जबकि अनाधिकृत गाइडों की संख्या करीब 150 हैं। यह विभाग ही पर्यटकों को विजिट टिकट देता है। जिसकी चेकिंग भी नहीं की जाती है । पर्यटन पुलिस बल अथवा टेफ भी नहीं हैं, अभी टेफ की नियुक्ति नहीं हो पाई है।

टांई सरपंच के ससुर पर जान से मरवाने का मुकदमा दर्ज

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। ग्राम पंचायत टांई सरपंच समीरा बानो के ससुर इक़बाल पर ग्रामीण मोहन राम शर्मा ने टांई के बजरंग सिँह शेखावत की गाड़ी से टक्कर मरवाकर जान से मरवाने का मुकदमा दर्ज करवाया है। गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले गांव टांई के गौरव पथ पर जमा गंदे पानी की निकासी व समाधान करवाने की बात क़ो लेकर टांई सरपंच के ससुर व मोहन राम के बीच आपसी कहा सुनी हुई थी। जिस पर टांई सरपंच के ससुर ने मोहन राम क़ो देख लेने व जान से मरवाने की धमकी दी गई थी।

क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की 152 वीं जन्म जयंती मनाई

152 दीप प्रज्वलित किए

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा(निस.)। शहीद कुँवर प्रताप सिंह बारहठ सेवा संस्थान शाहपुरा के प्रचार प्रमुख बसंत कुमार वैष्णव ने बताया कि आज क्रांतिकारी, राष्ट्रीय चिंतक ठाकुर केसर सिंह बारहठ की 152 वी जयंती पर त्रिमूर्ति बारहठ स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा मे नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एस ई सरवन सिंह खिडिया ने माल्यार्पण किया। संस्थान के प्रचार प्रमुख बसंत कुमार वैष्णव ने बताया कि संस्था के सचिव कैलाश सिंह जाडावत ने केसरी सिंह बारहठ के कृतित्व ओर व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केसरी सिंह बारहठ की जन्म भूमि देव खेड़ा है। वहां पर ठाकुर केसरी सिंह बारहठ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय देवखेड़ा में भामाशाह नरपत सिंह बालोतरा द्वारा ठाकुर केसरी सिंह बारहठ की मूर्ति स्थापना हेतु अपनी सहमति दी। देवखेड़ा क्रांति तीर्थ बनाने हेतु ,सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार की लंबित महत्वपूर्ण घोषणाओं को क्रियान्वित करवाने हेतु देव खेड़ा में चिह्नित सरकारी भूमि को बारहठ क्रांति वीरों के लिए सुरक्षित और संरक्षित रखने हेतु, चेतावनी का बोर्ड लगवाने का आग्रह किया। इस पर जिला कलेक्टर शेखावत ने सहमति प्रकट करते हुए, बोर्ड हेतु ग्राम पंचायत को निर्देशित किया।कार्यक्रम में जगदीश पारीक, रामप्रसाद सेन,राम स्वरूप काबरा, कैलाश चारण, कैलाश मेहडु सभापति रघुनंदन सोनी, हंसराज जाट,अखिल व्यास,नरेश व्यास, यशपाल पाटनी,दिलीप धुपिया, सुरेंद्र वैष्णव देव खेड़ा, सत्यनारायण सेन, रामप्रकाश काबरा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। स्थानीय विद्यालय देव खेड़ा ठाकुर केसरी सिह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय देव खेड़ा में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

उष्ट्र संरक्षण व पर्यवेक्षण समिति की बैठक कल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। उष्ट्र संरक्षण व पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में 23 नवंबर को सवेरे 11 बजे केवीके सभागार, सरदारशहर में जिले के उष्ट्र पालकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। पशुपालन संयुक्त सचिव डॉ ओमप्रकाश ने बताया कि बैठक में जिले में मादा ऊंटनी के दूध व सह उत्पादों के विक्रय को बढ़ाने व उष्ट्रपालकों की आय में वृद्धि करने और उष्ट्र संरक्षण योजना सहित बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

धार्मिक आयोजन संस्कृति व संस्कारों के साथ आपसी भाईचारे से कराता है रूबरू - सांसद बेनीवाल

बेनीवाल ने सांसद कोष से सादुल धाम गुहड़ा में डिजिटल लाइब्रेरी हॉल बनाने की घोषणा

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) गुरुवार को बाड़मेर जैसलमेर बालोतरा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने संसदीय क्षेत्र के जैसलमेर जिले के गुहड़ा में संत शिरोमणि श्री 1008 सदाराम महाराज की तपोभूमि एवं समाधि स्थल संत श्री सादुल धाम में श्री सदाराम जी महाराज के नव निर्मित मंदिर प्राण प्रतिष्ठा व शिखर एवं ध्वजा स्थापना महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान सांसद बेनीवाल ने दर्शन लाभ लेकर धर्म प्रेमियों भक्तजनों को संबोधित करते हुए कहा इस तरह के धार्मिक आयोजन आस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का एक अहम हिस्सा हैं जिससे वैमनस्यता दूर होती है लोगों में आपसी भाईचारा और प्रेम बढ़ता है। हमें ऐसे आयोजनों में आधुनिकीकरण युग में हमें नशा और सामाजिक कुरीतियों को रोकने की सीख लेकर नशे और फिजूलखर्ची रोककर हमें सामाजिक उत्थान और भविष्य बनाने पर खर्च करने चाहिए हमें आधुनिकीकरण युग में शिक्षा को महत्व देने की आवश्यकता हैं। सांसद बेनीवाल ने कहा संसार में जो व्यक्ति सकारात्मक भाव से सत्य के मार्ग पर चलता है उसकी हमेशा जीत होती है, ऐसे धार्मिक आयोजनों से स्थानीय समुदाय को एकजुट होकर अपनी परंपराओं को जीवित रखने की प्रेरणा मिलती है। और सकारात्मक ऊर्जा और मन की शांति एवं धर्म- कर्म से जोड़ने के साथ आध्यात्मिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता में मदद करते हैं दोस्तों और सामाजिक परिवार से मिलने-जुलने का एक अच्छा पर्व होता हैं। इस अवसर पर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने सादुल धाम गुहड़ा के मंदिर परिसर में अध्ययन हेतु एक डिजिटल लाइब्रेरी हॉल की घोषणा की, इस दौरान आयोजन में संत महात्माओं का सानिध्य रहा और सामाजिक नेता शिव पूर्व प्रधान उदाराम मेघवाल, पूर्व प्रधान लक्ष्मणराम डेलू सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वारदात तीसरी नजर में हुईं कैद

मदद के बहाने एटीएम बदलकर ठगी, 50 हजार की नकदी उड़ाई

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। झुंझुनूं में एटीएम बदलकर 50 हजार रूपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। घटना झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे के मुख्य बाजार के तिरूपति कॉम्पलेक्स में स्थित आइडीबाई बैंक की है। एटीएम कार्ड बदलने वाले शातिर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। इस संबंध में दुडिया निवासी राजेश ने गुरूवार को गुढ़ागौड़जी थाने में रिपोर्ट दी है। राजेश ने बताया कि वह बुधवार को गुढ़ागौड़जी कस्बे में आइडीबीआई बैंक से पैसे निकालने के लिए गया था। एटीएम में पहले से 3 लोग खड़े थे। एटीएम मशीन में लगाया तो पैसे नहीं निकले। इतने में केबिन में पहले से मौजूद तीन अनजान युवकों ने मदद की बात कहीं और एटीएम कार्ड ले लिया। मशीन में डाल कर उससे पिन डालने के लिए कहा। लेकिन पिन कोड डालने के बाद पैसे नहीं निकले तो अनजान युवकों ने कहा कि मशीन में ही पैसे नहीं हैं। इस दौरान आरोपियों ने एटीएम कार्ड बदल लिया और पिनकोड उससे मदद के बहाने पता कर लिया। इसके बाद बोले कहीं और से पैसे निकलवा लो। कुछ देर बात खाते से पैसे निकलने का मैसेज आया तो पता चला कि ठगी हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। बता दें इससे पहले भी जिले में एटीएम बदलकर निकलने की दर्जनों वारदात हो चुकी है।

बाड़मेर में पेयजल और बिजली संकट पर हरिश चौधरी ने कलेक्टर से की मुलाकात

जयपुर टाइम्स

बाड़मेर(निसं.)। बायतु विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चौधरी ने गुरुवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी से मुलाकात कर बाड़मेर जिले में पेयजल और बिजली संकट से आमजन को हो रही परेशानियों पर चर्चा की। चौधरी ने मोहनगढ़ लिफ्ट कैनाल से पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और बिजली कटौती की समस्या का स्थायी समाधान निकालने पर जोर दिया। चौधरी ने बताया कि रबी सीजन शुरू होने के साथ ही ग्रामीण इलाकों में अघोषित बिजली कटौती और ट्रिपिंग की वजह से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने शिव में बन रहे 220 केवी जीएसएस का कार्य शीघ्र पूरा कराने और जीएसएस की मशीनरी को दुरुस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक यह जीएसएस चालू नहीं होगा, तब तक बिजली समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। चौधरी ने बताया कि शिव से जुड़े जीएसएस को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बालोतरा 220 केवी जीएसएस पर ट्रांसफार्मर बदलने और बाड़मेर 220 केवी जीएसएस का लोड कम करने की जरूरत पर भी जोर दिया। पेयजल संकट पर चर्चा करते हुए चौधरी ने कहा कि मोहनगढ़ लिफ्ट कैनाल से बाड़मेर तक पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच रहा है, जबकि रिजर्वायर भरा हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। चौधरी ने कहा कि पानी और बिजली की समस्याओं का समाधान न होने से जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

एमओयू उद्यमियों के सपनों की उड़ान, हमारे दायित्व का दस्तावेज- सिंघवी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने कहा है कि सभी विभागों के अधिकारी आपसी सामंजस्य व सक्रियता के साथ इस प्रकार काम करें कि राज्य सरकार की बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो तथा सरकार की मंशा के अनुसार आमजन को इन विकास कार्यों का लाभ मिले। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी गुरुवार को डीआईआईटी सभागार में जिले में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर होने वाले कार्यक्रमों, राइजिंग राजस्थान और अन्य बिंदुओं को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने वाले कार्यक्रमों में सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता रहनी चाहिए। उन्होंने जिला स्तरीय प्रदर्शनी, विकास पुस्तिका के प्रकाशन, पंच गौरव सहित विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर निर्देश प्रदान किए। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में किए गए सभी एमओयू धरातल पर उतरें, इसके लिए प्रयास करें और यह कोशिश करें कि उद्यमियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उनहोंने कहा कि एमओयू उद्यमियों के सपनों की उड़ान है लेकिन हमारे लिए भी दायित्व का दस्तावेज है। उन्होंने संपर्क व अन्य माध्यमों से आने वाले प्रकरणों के गुणात्मक निस्तारण के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना तथा जल जीवन मिशन में आवश्यक प्रगति अर्जित करने, जेजेएम में किए गए कार्य का भौतिक सत्यापन करने, एएनसी और टीकाकरण में बेहतर प्रगति अर्जित करने, चिकित्सा व स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारने सहित विभिन्न निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने मुख्य सचिव द्वारा वीसी में दिए गए निर्देशों की समुचित पालना के भी निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बजट घोषणाओं की प्रगति, राइजिंग राजस्थान में किए गए एमओयू तथा राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर होने वाले कार्यक्रमों की अब तक की तैयारी से अवगत कराया और अधिकारियों से कहा कि वे बैठक में दिए गए निर्देशों की समुचित पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, डीएफओ भवानी सिंह, एसीईओ दुर्गा देवी ढाका, एडीपीआर कुमार अजय, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, कमिश्नर अभिलाषा सिंह, कॉपरेटिव डीआर मदन लाल शर्मा, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, पीएचईडी एसई रमेश राठी, डिस्कॉम एसई आरपी वर्मा, एक्सईएन अनिल पूनिया, सानिवि एक्सईएन बीएल सोनी सहित अधिकारी मौजूद रहे।

क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की जयंती मनाई

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। भालेरी रोड़ स्थित क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ स्मृति भवन व चारण छात्रावास चूरू में क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की 152वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने अपने संबोधन में केसरी सिंह बारहठ के जीवन संस्मरण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले केसरी सिंह बारहठ ने देश के लिए अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया। इनका जन्म 21 नवंबर 1872को शाहपुरा रियासत के देवपुरा गांव में हुआ था। वे राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कवि थे। केसरी सिंह जी बारहठ की मृत्यु 14 अगस्त 1941 को वर्धा में हुई। इनकी जयंती के अवसर पर क्रांतिकारी केसरी सिंह जी बारहठ की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर नारायण दान कांगड, कैलाश चन्द चारण, दिग्विजय सिंह, महेश कुमार, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

नौरंगराम दूकिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

झुन्झुनूं(निसं.)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय में गुरूवार को नौरंगराम दूकिया की 22 वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, दयानन्द दूकिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल दूकिया, लालचन्द दूकिया, रणजीत दूकिया, संस्था सचिव इंजी. पीयूष दूकिया, मधुर दूकिया, झुन्झुनूं नगर मण्डल अध्यक्ष कमलकान्त शर्मा, पार्टी के वरिष्ठ नेता महेश जीनगर, जिलामंत्री महेन्द्र चन्दवा ने नौरंगराम दूकिया के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि बनवारी लाल सैनी ने बताया कि रक्तदान करना हमारा सामाजिक दायित्व है। हमारे रक्तदान से किसी की जिन्दगी को बचाया जा सकता है, हमें सेवा भावना से रक्तदान करना चाहिए। जिला उपध्यक्ष प्यारेलाल दूकिया ने बताया कि नियमित रुप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छी होती है। रक्तदान शिविर में संस्था के अध्यापक, अभिभावक, छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लेकर रक्तदान किया। दूकिया ने नौरंगराम दूकिया को याद करते हुए कहा कि वे एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी व किसान पुत्र थे। उनका दृढ़ संकल्प व शिक्षा के प्रति लगाव का भाव परिवारजनों के लिए प्रेरणा-श्रोत रहा। उनकी विशेष उपलब्धियों में समय का महत्व कड़ी मेहनत सफलता के आधार है। कमलकान्त शर्मा ने कहा कि रक्तदान को महादान बताया। रक्तदान करने से किसी प्रकार की कोई शारीरिक कमजोरी नहीं आती बल्कि रक्तदाता का मानसिक विकास होता है। रक्तदान शिविर में रक्तवीरों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीगणेश चैतन्य महाराज, सुनिल चौमाल, डॉ. महेश बिसु, मुकेश झाझड़िया, रामचन्द्र तेतरवाल, नरेन्द्र मोगा, संदीप शर्मा, रामवतार लोयल, संजय परिहार, मनोज कुमार कालेर, पंकज गुर्जर, प्यारेलाल थाकन, राजेश पूनियां, हरेन्द्र डारा, महीपाल सिंह तोलासरिया, दलिप सिंह शेखावत, आनन्द, भंवर सिंह निर्वाण, बाबूलाल सैनी, अनिश कुमार धायल, मनोज कृष्णियां, लोकेन्द्र सिंह पिलानियां, अरबाज खान, अजय कुमार ज्याणी, वेद प्रकाश सिहाग, सहीराम झाझडिया, हनुमान सिंह पूनियां मौजूद रहे। संस्था के समस्त स्टाफ सदस्य, अभिभावक, छात्र-छात्राओं व चिकित्साकर्मियों के साथ सभी का इंजी. पीयूष दूकिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
22 नवम्बर, 2024

संभागीय आयुक्त और जिला कलक्टर ने जन सुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

शहरों में अवैध निर्माण को लेकर साप्ताहिक रिपोर्ट लें : संभागीय आयुक्त

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को डीओआईटी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय जन सुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। इस दौरान आयोजित जिला जन अभाव अभियोग निराकरण व सतर्कता समिति की बैठक में विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माण की शिकायतों पर चर्चा करते हुए संभागीय आयुक्त ने नगर निकाय अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड में काम कर रहे अपने अधिकारियों, कार्मिकों से अवैध निर्माण आदि के संबंध में साप्ताहिक रिपोर्ट लें और किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करें। बिजली कनेक्शन और डिस्कॉम से जुड़ी विभिन्न शिकायतों पर संभागीय आयुक्त ने एसई से कहा कि वे लापरवाही पर संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करें और काम में गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करें। संभागीय आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में आने वाले पत्रों के लिए एक कंट्रोल रजिस्टर बनाएं और कार्यालयों में काम का विभाजन ठीक से करें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने इस दौरान जन सुनवाई करते हुए गांव मोरथल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई एक सप्ताह में करने के निर्देश तारानगर एसडीएम को प्रदान किए। भरतिया अस्पताल में कचरे का ढेर होने की शिकायत पर उन्होंने नगर परिषद आयुक्त, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और अस्पताल अधीक्षक को कचरे के त्वरित निस्तारण के लिए कहा। मेहरासर चाचेरा ग्राम पंचायत के अड़मालसर गांव में जेजेएम की लाइन डल जाने के बावजूद पानी नहीं आने तथा बिजली लाइन में बार-बार ट्रिपिंग आने की समस्या पर उन्होंने संबंधित अधीक्षण अभियंताओं को आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप पूनिया ने खेजड़ी वृक्ष काटे जाने की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिस पर जिला कलक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों से कहा कि वे अपनी निगरानी बढाएं और राज्य वृक्ष खेजड़ी काटे जाने पर संबंधित के खिलाफ एफआईआर करवाएं। बूंटिया रोड पर पानी निकासी की समस्या पर आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि 1.83 करोड़ का एस्टीमेट बनाया गया है, जिस पर जिला कलक्टर ने प्रस्ताव राज्य स्तर पर भिजवाने के निर्देश दिए। दिव्यांगों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला कलक्टर ने सीएमएचओ तथा सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा। लादड़िया के दिव्यांग तेजपाल ने स्वरोजगार ऋण में देरी की बात कही, जिस पर जिला कलक्टर ने विभागीय अधिकारी को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। जिला मुख्यालय स्थित रोडवेज बस स्टैंड के पास पुनः अतिक्रमण की शिकायत पर उन्होंने आयुक्त को वेंडिंग व नॉन वेंडिंग जोन निर्धारित करने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ को जिलेभर के विद्यालयों में शतरंज खेल को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को एएनसी और इम्युनाइजेशन सहित विभिन्न विभागीय गतिविधियों में स्थिति सुधारने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, डीएफओ भवानी सिंह, एसीईओ दुर्गा देवी ढाका, एडीपीआर कुमार अजय, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, कमिश्नर अभिलाषा सिंह, कॉपरेटिव डीआर मदन लाल शर्मा, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, पीएचईडी एसई रमेश राठी, डिस्कॉम एसई आरपी वर्मा, सानिवि एक्सईएन बीएल सोनी सहित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

तोगावास के एडवोकेट कृष्ण मेघवाल को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)। जिलाध्यक्ष गिरधारी कांटीवाली की अध्यक्षता व राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपाराम धनदे के मुख्य आतिथ्य में रतनगढ़ के दीन दयाल उपाध्याय टाउन हाल में राष्ट्रीय मेघवाल समाज संघ की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण व स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भजनलाल रोलण, जिला प्रमुख प्रतिनिधि रवि आर्य, बिदासर प्रधान संतोष मेघवाल, रतनगड़ संतोष तालणीया, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत मेघवाल, संगठन महामंत्री एडवोकेट कृष्ण मेघवाल आदि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि धनदे ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मेघवाल समाज को एकजुट रहने की बहुत आवश्यकता है समाज के प्रबुद्धजनों को घर घर जाकर समाज में शिक्षा की अलख जगानी चाहिए, तभी समाज आगे बड़ सकता है। राधा हिंदुस्तानी ने भवाई नृत्य की प्रस्तुति दी। कवि हरिराम मेघवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर ओमप्रकाश खेजड़ा, उपाध्यक्ष शंकर लाल मेघवाल, आलसर सरपंच भानीराम मेघवाल, देवीलाल मेघवाल, संजय मेघवाल, किशोर, रमेश, विराट, जालु बौद्ध, आदुराम मेघवाल, मांगीलाल मेघवाल, शिवपाल पंवार, विक्रम, रामकरण मेघवाल, दीनदयाल, उम्मेद, अमित, परमेश्वर मेघवाल आदि मंचासीन रहे।

दर्शन की है व्यापक उपादेयता : त्रिपाठी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थानीय सोना देवी सेठिया स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में आज आइक्यूएसी सेल व दर्शनशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व दर्शनशास्त्र दिवस के अवसर पर -समग्रता एवं भविष्य के लिए दर्शन.. विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. साधना सिंह ने की। मुख्य अतिथि प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष, जैनोलोजी एण्ड कम्पेरेटिव रिलिजन एण्ड फिलोसोफी, जैन विश्व भारती विश्वविधालय, लाडनूं) रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदन, सरस्वती वंदना और मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ प्राचार्य डॉ. साधना सिंह व स्मृति चिन्ह उपप्राचार्य डॉ. जयश्री सेठिया ने भेंट कर स्वागत किया। उपप्राचार्य डॉ. जयश्री सेठिया ने स्वागत भाषण के दौरान प्रो त्रिपाठी के व्यक्तित्व और कृतित्व और उनके साहित्यिक योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मेघना सोनी ने शिक्षा मे दर्शन का महत्व और भारतीय दर्शन पर प्रकाश डाला। प्रो. त्रिपाठी ने दर्शन का दृष्टिकोण, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन, नैतिकता, संवेदना, जैन व बौद्ध दर्शन और पाश्चात्य दर्शन के माध्यम से समाज और व्यक्ति का जुड़ाव और जीवन शैली कैसी हो इसका उल्लेख करते हुए विभिन्न दार्शनिकों की जीवनी से शिक्षा लेने का आह्वान किया। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि हटवादिता संघर्ष को जन्म देती है। अनेकांत के मार्ग पर चल कर हम जीवन को आनंद दाई बना सकते है। राधिका शर्मा सहायक आचार्य ने भारतीय दर्शन की व्यावसायिक अध्ययन व प्रबंधन में योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दीपाली प्रजापत सहायक आचार्य वनस्पति विज्ञान ने विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का दर्शनशास्त्र से सम्बंध के बारे में अपने विचार प्रस्तृत किए।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवबाड़ी में मानक लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

बीकानेर(निसं.)। राउमावि शिवबाड़ी, बीकानेर में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानक क्लब के तहत मानक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेंटर टीचर मुकेश मोदी ने सभी विद्यार्थियों को मानकों की उपयोगिता बताते हुए अपने आस पास के लोगों को जागरूक करने के लिए उत्साहित किया ।निर्णायकों के रूप में व्याख्याता संतोष, कीर्ति दुग्गल और कंचन तंवर ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान टीम एसटी-6 विशाल चौहान और प्रियंका सेन, द्वितीय स्थान टीम एसटी-08 अजीतदान और रुचिका नवल, तीसरा स्थान टीम एसटी-05 दीक्षा और मनीष खटोड़ तथा सांत्वना पुरस्कार टीम एसटी-01 हर्षवर्धन और दीपिका ने प्राप्त किया। प्रधानाचार्य उर्वशी शर्मा और उप प्रधानाचार्य नीतू निर्वाण ने सभी विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया और आशीर्वाद दिया।

स्थायी वारंटी और हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। कोतवाली पुलिस ने चोरी, नकबजनी के प्रकरण में वांछित स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जबकि एक हिस्ट्रीशीटर को भी गिरफ्तार किया है। डीएसपी दरजाराम बोस ने बताया कि एसपी जय कुमार के निर्देशन में व एएसपी दिनेश कुमार के सुपरविजन में कार्यवाही की गई। जिसके तहत हैड कांस्टेबल रमेश कुमार की टीम ने स्थायी वारंटी अजय उर्फ मोगली (19) पुत्र राजेंद्र चौधरी, सांखला बास सुजानगढ़ को गिरफ्तार किया है। सब इंस्पेक्टर हरपाल सिंह ने बताया कि मोगली के खिलाफ चोरी, लूट व डकैती के 10 प्रकरण दर्ज हैं। इसी प्रकार हिस्ट्रीशीटर राजू जाट उर्फ राजाराम पुत्र गोविंदराम, निवासी वार्ड न. 4, सुजानगढ़ को भी शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। राजू उर्फ राजाराम के खिलाफ 18 प्रकरण हैं। दोनों आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है।

जुआ खेलते चार लोग गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थनीय पुलिस ने पर्ची सट्टा खेलने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार सब इंस्पेक्टर हरपाल सिंह ने कार्रवाई करते हुए आरोपी समशेर, असलम, हुकमचंद व बुधमल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1850 रूपए बरामद किए हैं।

दो डेंगू पीड़ित महिलाओं के लिए आठ लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थानीय बगड़िया अस्पताल में भर्ती दो अलग-अलग डेंगू मरीज महिलाओ के लिए 2 परिजनों सहित कुल 8 लोगों ने बेशकीमती रक्तदान कर जीवनदान दिया। टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार की प्रेरणा से राकेश गुलेरिया, ओमप्रकाश सामरिया, पवन दायमा तथा परिजन उम्मेद सिंह ने ए पॉजिटिव और दूसरी महिला मरीज के लिए लोकेश दर्जी, गोपाल दानोदिया, धीरज प्रजापत और अरुण प्रजापत ने बेशकीमती ओ पॉजिटिव रक्तदान कर मानवीय भावनाओं का परिचय दिया। दोनों की प्लेटलेट्स काफी कम हो गई थी और बहुत अर्जेंट ब्लड की जरुरत थी।

जैन श्वेताम्बर स्कूल में तीन दिवसीय ध्यान शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी बाल विहार विद्यालय स्थित बच्छावत ब्लॉक सभागार में त्रिदिवसीय ध्यान शिविर / मेडिटेशन सेशन का शुभारम्भ दीपक कलवानी, जॉन कॉर्डिनेटर जोधपुर व जैसलमेर और हार्टफुलनेस प्रशिक्षक उषा कलवानी व संगीता गर्ग, सचिव आनन्द बालाण और प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़ ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने वाद्ययंत्रों की संगीतमय ध्वनि में संगीत अध्यापक इंतजार अली के सान्निध्य में सरस्वती वंदना का गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय की छात्राओं ने आगन्तुक अतिथियों का तिलकार्चन कर एवं गीत "स्वागत करते हैं..." के साथ अतिथियों का स्वागत किया। ध्यान शिविर के प्रथम दिवस हार्टफुलनेस प्रशिक्षक उषा कलवानी ने 'हाऊ टू मेडिटेट' पर व्याख्यान देते हुए इसकी विधि को समझाया और श्वास को सच्चा मित्र बताते हुए विभिन्न गतिविधियों को जारी रखने अथवा कुछ समय के लिए विराम देने संबंधित निर्णय में श्वास को संकेतक बताया। उन्होंने कहा कि ध्यान न केवल हमारे तनाव व चिंता को कम करता है बल्कि मस्तिष्क में चलने वाले अनेक नकारात्मक विचारों को भी नियंत्रित करता है और हमारे दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव आनन्द बालाण ने कहा कि विद्यालय समय-समय पर इस प्रकार के शिविर व गतिविधियाँ आयोजित कर छात्रों के मानसिक व शारीरिक विकास में योगदान दे शिक्षा की सर्वांगीण विकास की अवधारणा के प्रति संकल्पबद्ध है। वहीं प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़ ने ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आज की महत्ती आवश्यकता बताया और कहा कि प्रतिस्पर्द्धा व महत्वकांक्षा के इस दौर में छात्रों को ध्यान व इसके महत्व को समझना चाहिए क्योंकि इससे हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है और हमें मानसिक शांति प्राप्त होती है।

क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की मनाई जयंती

रतनगढ(निसं.)। स्थानीय जालान महाविद्यालय में प्रसिद्ध क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की जयंती पर आयोजन हुआ। प्रो कल्याण सिंह चारण ने बताया कि प्राचार्य डा अनिल कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में हुए आयोजन में केसरी सिंह बारहठ को याद कर आजादी के आंदोलन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। डा सक्सेना ने कहा कि इनका पूरा परिवार आजादी के आंदोलन में सक्रिय रहा। ये सदैव स्मरणीय रहेंगे। प्रो कल्याण सिंह चारण ने कहा कि स्वयं केसरी सिंह बारहठ, भ्राता जोरावर सिंह बारहठ, पुत्र प्रताप बारहठ व दामाद ईश्वर सिंह आशिया ने क्रांति में सक्रिय भूमिका निभाई। जोरावर सिंह बारहठ और प्रताप सिंह ने दिल्ली के चांदनी चौक में लार्ड हार्डिंग्ज पर बम फेंका। पुत्र प्रताप को अंग्रेजों ने जेल में यातना देकर मात्र पच्चीस वर्ष की उम्र में मार डाला। परिवार की जागीर, हवेली, खेत खलिहान संपत्ति सब अंग्रेज़ो ने जब्त कर ली किंतु ये कभी क्रांति मार्ग से विचलित नहीं हुए। डा के सी जोशी, प्रो सौम्या वशिष्ठ ने भी इनके व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला। सभी वक्ताओं ने इन्हें महान् क्रान्तिकारी बताया। इस अवसर पर डा धनराज पांडिया, डा मरियम बानो, डा आशा वर्मा, प्रो सुनील पूनिया, प्रो परमेश्वर महर्षि, प्रो मनीषा, प्रो कमल योगी, डा श्याम सुंदर पारीक, प्रो. शैलेष जिनरा, लेखाधिकारी संदीप जोशी, हिमांशु जोशी, भैरूसिंह राठौड़, लालसिंह शेखावत, संजय, महेश पंवार, धन्नाराम आदि उपस्थित रहे।

रतनगढ़ नागरिक परिषद दिल्ली ने की रेलवे को चार व्हील चेयर भेंट

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निसं.)। रतनगढ़ नागरिक परिषद ट्रस्ट दिल्ली एन सी आर की ओर से स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधार्थ आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने की योजना के अंतर्गत चार व्हील चेयर रेल विभाग को भेंट की गई। स्टेशन अधीक्षक बाबूलाल मीणा ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व ट्रस्ट से निवेदन किया गया था जिस पर त्वरित निर्णय लेकर चार व्हील चेयर उपलब्ध करवाए जाने से वृद्ध , दिव्यांग और जरूरतमंद यात्रियों को आज से ही लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी जोधराज बैद ने स्टेशन अधीक्षक को व्हील चेयर भेंट करते हुए कहा कि यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए चार वाटर कूलर भी शीघ्र लगवाए जाएंगे और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी पूरा प्रयास किया जाएगा। उपाध्यक्ष डालमचंद बैद ने ट्रस्ट की ओर से संचालित जनसेवी कार्यों की जानकारी दी। सहयोजित ट्रस्टी संतोष कुमार इंदौरिया तथा विनोद डागा ने ट्रस्ट की ओर से संचालित समाजसेवी गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया। स्टेशन अधीक्षक बाबूलाल मीणा व ट्रस्ट के स्थानीय समन्वयक कुलदीप व्यास ने अतिथियों का स्वागत माला, दुपट्टा व साफा पहनाकर किया। इस अवसर पर पवन सराफ, मनोज जोशी, विष्णु चौधरी, अरुण रामगढ़िया, हरीश सराफ, वीरेंद्र रॉयल, पंकज मीणा, नरेंद्र कुमार, विजयपाल आदि उपस्थित रहे।

- नुक्कड़ नाटक से दी बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी

सुरक्षित बचपन से ही सुरक्षित भारत का विकास

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चूरू की परियोजना एक्सेस टू जस्टिस फ़ोर चिल्ड्रन फ़ेस थ्री रुकैया पठान की नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाढर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था की टीम से सुमन चोपड़ा की ओर से बच्चों को सुरक्षित व सुरक्षित स्पर्श की जानकारी दी गई। साथ ही सतर्क रहकर सुरक्षित रहने के लिए बच्चों को संबोधित किया गया। विद्यालय के उपप्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षित बचपन से ही सुरक्षित भारत का विकास होता है। जब बच्चों का बचपन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उनका विकास कैसे होगा, इसलिए बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है विद्यार्थियों की ओर से बाल विवाह एक अभिशाप है थीम को लेकर नुक्कड़ नाटक किया गया नाटक को विस्तृत में उल्लेख करते हुए पोक्सो काउंसलर ज्योति बागड़ी की ओर से बाल विवाह के दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई। संस्था के रिस्क कोऑर्डिनेटर कपिल भाटी, रिजवान खान, मुबारिक अली की ओर से बच्चों के मध्य प्रतियोगिताएं करवाई गई। प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी ली। प्रतियोगिता में विजय बच्चों को संस्था के प्रतीक चिन्ह, मेडल, भेंट करके पुरस्कृत किया गया बच्चों को बाल विवाह रोकथाम के लिए शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की उप प्रधानाचार्य शंकरलाल ने की। प्राचार्य ने संस्था की भूरी भूरी प्रशंसा की। मंच का संचालन एमीचंद व्याख्याता ने किया। संस्था को धन्यवाद के रूप में प्रशंसा पत्र दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अध्यापक मानसिंह ,सामौर पीटीआए, खुर्शीद मोहम्मद, प्रियंका, उर्मिला, उषा कुमारी, राकेश कुमार, यास्मीन ख़ान, राधेश्याम, विक्रम सिंह, विजेंद्र सिंह, हरीराम, लालचंद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कायमखानी महासभा के संभाग अध्यक्ष का किया अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला मुख्यालय पर स्थित भाईजी चौक राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से समिति उपाध्यक्ष महमूद अली राणा के नेतृत्व में जाकिर खान के.के का कायमखानी महासभा, सीकर संभाग के संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रशस्ति पत्र व माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर खान ने कहा कि मैं निष्ठा व ईमानदारी साथ संगठन में काम करूंगा। उन्होंने संगठन का आभार व्यक्त किया। साथ ही इस अवसर पर समिति की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में रात्रिकालीन कंबल वितरण अभियान के तहत जरूरतमंदों को कंबल व गर्म वस्त्र वितरित करने का निर्णय लिया गया। समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि समिति की ओर से रात्रिकालीन कंबल वितरण अभियान चलाकर दिसम्बर व जनवरी माह में चूरू शहर व आसपास की तहसीलों में सार्वजनिक स्थानों पर असहाय लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे। बैठक में मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, अयूब खान चायल , डॉ अखतर खान, जाफर खान, महबूब खान, एडवोकेट जावेद खान, फारूक चौहान, सुलेमान मनिहार, ताहिरदीन लोहार आदि मौजूद रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
22 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त-समाचार

प्रदूषण से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। लगातार हवा का स्तर खराब होने के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके अलावा समस्त चिकित्सा संस्थानों पर चिकित्सा व्यवस्था मुहैय्या करवाने, दवाइयां का इन्तजाम रखने एवं आमजन को ज्यादा से ज्यादा जानकारी देने के निर्देश दे दिए गए हैं। सीएमएचओ डॉ भंवर लाल सर्वा ने बताया कि जिले में हवा के स्तर लगातार खराब हो रहा है। हवा का स्तर प्राकृतिक एवं मानव निर्मित दोनों स्त्रोतों से प्रभावित होता है। औद्योगिक गतिविधियां, हवा के बहाव में कमी, दीपावली में अत्यधिक आतिशबाजी, वाहनों की बढ़ती संख्या, जंगल की आग, धूलभरी आंधी आदि के कारण एयर क्वालिटी इन्डेक्स लगातार बढने् से आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके चलते आमजन को सिरदर्द, चक्कर आना, सांस लेने में तकलीफ, खांसी, छाती में तकलीफ, त्वचा में इरिटेशन आदि प्रभाव दिखाई दे रहे हैं। डॉ. सर्वा ने बताया कि प्रदूषण से बचने के लिए आमजन को घर पर ही रहें। सांस फूलने, चक्कर आने और आंखों में जलन आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर डॉक्टर को दिखाएं। घर पर गैस चूल्हे का उपयोग करें, हैवी ट्रैफिक व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जहां भवन निर्माण चल रहा हो, वहां जाने से बचें। सुबह जल्दी और देर शाम के समय घर के खिड़की व दरवाजे बन्द रखें। हवा का स्तर अधिक खराब होने पर मार्निंग वॉक व इवनिंग वॉक बन्द कर दें।

खाजूवाला नगर पालिका क्षेत्र की सड़कों के लिए 3 करोड़ स्वीकृत

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल के प्रयासों से नगर पालिका क्षेत्र की विभिन्न सड़कों के निर्माण के लिए 3 करोड रुपए की स्वीकृतियां जारी की गई हैं। विधायक डॉ. मेघवाल ने बताया कि रावला सड़क एम के. पड़िहार होटल से किशन खान के घर तक डामर सडक निर्माण के लिए 14 लाख, खाजूवाला के तीन पीडब्ल्यूएम सड़क पीर जी की दरगाह तक 6 केजेडी ए डामर सडक निर्माण के लिए 45.02 लाख, पीपल गट्टा वार्ड नंबर 3 से जगमाल सिंह के घर तक डामर सड़क निर्माण के लिए 29.46 लाख, मनोज मिड्ढा की फैक्ट्री के सामने से गोविंद बिश्नोई के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 35.18 लाख, वार्ड नंबर 22 राजूराम नायक के घर से पप्पू मास्टर के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 8.63 लाख, इसी वार्ड में जरनैल सिंह के घर से बल्लू तेली के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 14.97 लाख, यहीं बख्तावर सिंह के घर से जयराम मास्टर के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 8.61 लाख, वार्ड 22 के ज्ञानी साइकिल वाले के घर से मदन फोगा के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 12.85 लाख, वार्ड 20 में शेर खान के घर से गुरदेव सिंह के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 50.16 लाख, वार्ड 22 में राजकुमार मजोका के घर से मनोज अरोड़ा के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 21.34, सदर बाजार बैंक के सामने पूनम बाहेती के घर से भंवरलाल मूंधड़ा के घर तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 26.74 लाख, खाजूवाला-बीकानेर सड़क मोदी डेयरी से दंतोर रोड की ओर डामर सडक निर्माण के लिए 33.04 लख रुपए की स्वीकृति दी गई है।

नशामुक्ति केंद्र खोलने के लिए संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की क्रियान्विति में नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं व ट्रस्टों की ओर से नशामुक्ति केन्द्र खोलने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इसकी अंतिम तिथि 29 नवम्बर है। सामाजिक व न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पवार ने बताया कि प्रदेश के युवाओं में नशे की बढ़ती हुए प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए जिले में 25 बेड क्षमता का नशामुक्ति केन्द्र खोला जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि प्राप्त प्रस्तावों को राजस्थान निराव्यसन केन्द्र नियम 2020 के अनुसार जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। नशामुक्ति केन्द्र संचालन के लिए स्वयंसेवी संस्था, संगठन जो सोसायटी एक्ट, ट्रस्ट (न्यास), एक्ट, कम्पनी में पंजीकृत हो, संस्था का पंजीयन कम से कम तीन वर्ष पुराना हो व संस्था के उद्देश्य में नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्य करने का उल्लेख होना आवश्यक है। पवार ने बताया कि निर्धारित बिंदुओं की पालना पूर्ण करने वाली संस्था का अन्तिम चयन किया जाएगा।

आवासित महिला को पति को सौंपा, छलके खुशी के आंसू

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। सौर चेतना व ऊर्जा विज्ञान शोध संस्थान की ओर से बीकानेर में संचालित विमन्दित पुनर्वास गृह (सेवा आश्रम 2) मे एक महीने से आवासित महिला पिंकी को गुरुवार को संस्था की टीम के प्रयासों से उसके पति को सुपुर्द किया गया। पति वीरेंद्र कुमार जब अपनी धर्मपत्नी से मिला, तो उसकी आंखें खुशी से छलक गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व अपर जिला सेशन न्यायाधीश मांडवी राजवी मौजूद रही। उन्होंने संस्था के इस पुनर्वास कार्यक्रम के संबंध में जानकारी प्राप्त की और संस्था की सेवा की सराहना की। इस अवसर पर काउंसलर अनुराधा पारीक, नारी निकेतन अधीक्षक डॉ. शारदा चौधरी, सुपरवाइजर जाकिर हुसैन, जय नारायण व्यास कॉलोनी थाना के हेड कांस्टेबल शेर सिंह, विशेष शिक्षक मनोज कुमावत, एएनएम सरोज उपस्थित रहे।

तीन मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञापत्र निलंबित

बीकानेर(निसं.)। जांच के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर 3 मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञापत्र निलम्बित किए गए हैं। अनुज्ञापन प्राधिकारी व सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र कुमार केदावत ने बताया कि गोडू स्थित महादेव मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 13 दिसम्बर तक 5 दिनों के लिए, बरसलपुरा ब्रांच की 50 पुली स्थित जीवन रक्षा मेडिकल एंड जनरल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 16 दिसम्बर तक 8 दिनों के लिए, झझू चौराहा स्थित आर. एम. मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 18 दिसम्बर तक

फरियादियों को चक्कर नहीं कटवाएं, समाधान के लिए सही राय दें : सिंघवी

- संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने जसरासर के राउमावि में सुने आमजन के अभाव-अभियोग

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने बुधवार को जसरासर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों के अभाव-अभियोग सुने। संभागीय आयुक्त ने एक-एक फरियादी की बात तसल्ली से सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के संबंध में निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेंद्र सिंह सहित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी चौपाल में मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस दौरान डिमांड राशि जमा होने के बावजूद विद्युत कनेक्शन नहीं होने, राउमावि में हाईमास्ट लाइट व खंभा लगवाने, धरना अवधि में दर्ज मुकदमे वापस लेने, जसरासर विद्युत फीडर अलग करने, क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की जगह नई लाइन डलवाने, बस स्टैंड व स्कूल के आगे ब्रेकर बनवाने, खुर्रा निर्माण, मुख्य रास्ते पर नाली निर्माण सहित विभिन्न समस्याओं और जरूरतों की ओर संभागीय आयुक्त का ध्यान आकर्षित किया, जिस पर संभागीय आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अविलंब समस्या समाधान और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश प्रदान किए।

संभागीय आयुक्त सिंघवी ने इस दौरान अधिकारियों से कहा कि वे सकारात्मक रुख रखकर लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता से निस्तारण करें। सभी अधिकारी-कर्मचारी समय पर दफ्तर आएं, दफ्तरों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें और फरियादियों की समस्याओं को तसल्ली से सुनें। समस्याओं का समाधान यदि आपके स्तर पर संभव है तो प्रार्थी को राहत दें अन्यथा संबंधित अधिकारी को प्रकरण अग्रेषित कर समाधान के लिए कहें। जब कोई व्यक्ति समस्या लेकर आए तो बात को घुमाएं नहीं, फरियादी को चक्कर नहीं लगवाएं। तसल्ली से उसकी बात सुनें और कहां उसकी

समस्या का सही समाधान हो सकता है, इस बारे में सही राय दें। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आमजन की समस्याओं को लेकर चिंता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायतों का इंतजार नहीं करें, अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का चिन्हीकरण करें और उनके समाधान की दिशा में प्रोएक्टिव होकर काम करें। सुपरविजन ठीक होने से ही अनेक समस्याओं का स्वतः निस्तारण हो जाएगा। छोटी-बड़ी सब समस्याओं को चिन्हित करके रखें और उनके समाधान भी खोजें, सकारात्मक रहकर काम करेंगे तो कोई न कोई रास्ता निकल ही जाएगा। कैसे अपनी सेवाओं को और बेहतर बना सकते हैं, स्वयं इस पर अपना ध्यान फोकस करें और काम करें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में चल रही त्रिस्तरीय जन सुनवाई और अन्य व्यवस्थाओं से संभागीय आयुक्त को अवगत कराया और ग्रामीणों से कहा कि वे बेहिचक किसी भी जन सुनवाई में या प्रतिदिन होने वाली जन सुनवाई में अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आ सकते हैं। संचालन करते हुए एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी। सरपंच रीना कंवर ने ग्राम पंचायत की उपलब्धियों व जरूरतों से अवगत करवाया। इस दौरान डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, एसीईओ दुर्गा देवी ढाका, डीएफओ भवानी सिंह, एडीपीआर कुमार अजय, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, रोजगार विभाग की सहायक निदेशक वर्षा जानू, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा, उद्योग महाप्रबंधक नानुराम गहनोलिया, आईसीडीएस डीडी डॉ नरेंद्र शेखावत, एक्सईएन बीएल सोनी, शिवसिंह चौहान, बजरंग सिंह चौहान कॉपरेटिव एमडी मदनलाल शर्मा, संरक्षण अधिकारी जयप्रकाश, पटवारी अशोक सिंह, डॉ संजय तंवर, डिस्कॉम एसई आरपी वर्मा, एक्सईएन वीएल सैनी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ जगदेव सिंह, सहायक निदेशक कुलदीप शर्मा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ ओमप्रकाश, ब्लॉक सुपरवाइजर कृष्णा, ग्राम विकास अधिकारी, बीएसओ पूजा मीणा सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लाइब्रेरी का अवलोकन कर सराहा

इस दौरान संभागीय आयुक्त ने जसरासर में विधायक निधि से निर्मित व ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के सहयोग से संचालित स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी का अवलोकन किया और पुस्तकालय की व्यवस्थाओं के लिए सरपंच व अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने वहां पड़ रहे युवाओं से संवाद किया और कहा कि ईमानदारी से नौकरी के लिए तैयारी करें, नौकरी के बाद भी ईमानदार रहकर काम करें।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने चूरू एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय का किया निरीक्षण

-कार्यालय में व्यवस्थित रहे रिकॉर्ड, रखें समुचित साफ -सफाई : सिंघवी
-ढाणी लालसिंहपुरा राउप बच्चों के साथ खाया पोषाहार, जांची गुणवत्ता

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने गुरुवार को चूरू एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय का निरीक्षण किया और जिला मुख्यालय पर पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय व ढाणी लालसिंहपुरा में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए समुचित दिशा- निर्देश दिए। एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय का निरीक्षण कर सिंघवी ने कहा कि कार्यालय में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखें और कार्यालय की व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करें। कार्यालय में

आने वाले फरियादियों के बैठने के समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर में लगाए गए पौधों की समुचित देखभाल करें और कोशिश करें कि पौधे जीवित रहे। इसके लिए आवश्यक खाद व कीटनाशक आदि का उपयोग करें। कार्यालय में संचालित शाखाओं में कार्मिकों के बैठने के लिए लगाए गए काउंटर, टेबल व कुर्सियों का समुचित प्रबंधन किया जाए ताकि किसी प्रकार की असुविधा न रहे। कार्यालय के रिकॉर्ड आदि को व्यवस्थित रखा जाए और फाइलों को व्यवस्थित ढंग से बस्तों आदि में रखवाया जाए। कार्यालय का फर्नीचर व्यवस्थित रहे। एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय के शिफ्टिंग के बाद सुचारू ढंग से संपादित होने के साथ अच्छी व्यवस्था व कार्यालय परिसर में किए गए पौधरोपण की संभागीय आयुक्त ने सराहना की। उन्होंने कोर्ट केसेज, राजस्व, साफ- सफाई, पौधारोपण, निर्वाचन गतिविधियों आदि की जानकारी लेते हुए समुचित दिशा- निर्देश दिए। एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने संभागीय आयुक्त का स्वागत करते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान एपीआरओ मनीष कुमार, तहसीलदार अशोक गोरा, नायब तहसीलदार चुन्नीलाल, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रवीण कुल्हरी, निजी सहायक सुरेश कुमार, मंगेज सिंह सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

इसी क्रम में संभागीय आयुक्त सिंघवी ने जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में बूथ संख्या 171, 172 व 173 का निरीक्षण कर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बीएलओ प्रत्येक पात्र वयस्क का मतदाता सूची में आवश्यक रूप से पंजीकरण करें। 23 तारीख को विशेष अभियान निर्धारित किया गया है। विशेष अभियान के दौरान बीएलओ आवंटित लक्ष्यों को पूरा करें। इसी के साथ बीएलओ अपने बूथ के क्षेत्र के घरों का सर्वे करें और सभी हाउसहोल्ड को कवर करते हुए प्रत्येक मतदाता का पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए संभावित मतदाता को आईडेंटिफाई करें और मतदाता सूची में पंजीकरण करें। मतदाताओं को एनवीएसपी पोर्टल व वोटर हेल्पलाइन एप्प की भी जानकारी दी जाए। मतदाता सूची के प्रकाशित प्रारूप में मतदाताओं के फोटो ब्लर व धुंधले होने पर उनको दुरुस्त करवाएं। इसी के साथ मतदान केन्द्रों पर जरूरी साइनेज लगाए जाएं। सिंघवी ने कहा कि प्रयास करें कि एक परिवार के मतदाता एक ही बूथ लोकेशन पर पंजीकृत रहे। ऐसा ना हो कि एक ही परिवार के मतदाता एक से अधिक बूथ लोकेशन पर पंजीकृत हो।

हादसे में शिक्षक संघ नेता और चचेरे भाई की मौत

बीकानेर। बीकानेर के रिडमलसर गांव के पास बाइक पर जा रहे शिक्षक संघ के पदाधिकारी और उसके चचेरे भाई को एक बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। शव पीबीएम अस्पताल में रखवाए गए हैं। घटना आज दोपहर करीब साड़े पांच बजे की है। हादसे की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को ट्रोमा सेंटर लेकर गए। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। जयनारायण व्यास पुलिस के अनुसार- शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश पदाधिकारी श्रवण पुरोहित अपने चचेरे भाई रतन पुरोहित के साथ बाइक पर नापासर विवाह समारोह में जा रहे थे।

झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव की काउंटिंग कल

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निसं.)। झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव की काउंटिंग 23 को झुंझुनूं विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। अब इंतजार है रिजल्ट का। 23 नवंबर को तस्वीर साफ हो जाएगी। काउंटिंग को लेकर प्रशासन तैयार में जुट गया है। तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सेठ मोतीलाल पीजी कॉलेज में सुबह 8 बजे से मतगणना होगी। सुबह 9 बजे तक रुझान मिलना शुरू हो जाएंगे। दोपहर करीब दो बजे तक तस्वीर साफ हो जाएगी।

सेठ मोतीलाल कॉलेज में 12 टेबलों पर 22 राउंड में होगी मतों की गणना

सेठ मोतीलाल कॉलेज में 12 टेबलों पर 22 राउंड में होगी मतों की गणना

12 टेबल पर 22 राउंड में ईवीएम के मतपत्रों की मतगणना होगी। रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह ने बताया कि शनिवार को सुबह 8 बजे सबसे पहले 573 पोस्टल बैलट मतपत्रों की मतगणना होगी। इनके साथ ही सर्विस वोटों की गिनती होगी। सुबह 8:30 बजे ईवीएम के वोटों की गणना शुरू होगी। इनके लिए कॉलेज के कमरा नंबर 106, 108 व कमरा नंबर 103 में गणना के लिए टेबल लगाई गई हैं।

इस बार त्रिकोणीय मुकाबला

झुंझुनू विधानसभा में कुल 2 लाख 74 हजार 698 वोटर्स हैं। इसमें से 1 लाख 81 हजार 680 मतदाताओं ने वोट किया था। मतदान प्रतिशत 66.14 फीसदी रहा था। यहां भाजपा - कांग्रेस और पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा के बीच मुख्य मुकाबला है। भाजपा से राजेन्द्र भांबू, कांग्रेस से अमित ओला मैदान में हैं। वहीं पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुड़ा ने निर्दलीय चुनाव लडा है। झुंझुनूं सीट पर 2008 से कांग्रेस का कब्जा है। बृजेन्द्र ओला के सांसद बनने पर यह सीट खाली हुई थी।

भामाशाह शुभकरण बैद ने 35 लाख की लागत के 25 बोर्ड करवाए उपलब्ध

बीदासर के स्कूल कॉलेजों में होगी इंटरेक्टिव बोर्ड से पढ़ाई

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। चूरु जिले की 200 से अधिक विद्यार्थी संख्या वाली सरकारी स्कूलों व कॉलेजों में राजीव उपाध्याय सचिव श्री गांधी बाल निकेतन की ओर से भामाशाहों के सहयोग से इंटरेक्टिव बोर्ड लगवाने की परियोजना के तहत जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के समक्ष हुए एमओयू की पालना शुरू हो गई है। इस संबंध में बाल निकेतन परिसर में गुरुवार दोपहर को आयोजित बैठक में बीदासर तहसील की 20 चयनित सरकारी स्कूलों व कॉलेजों के संस्था प्रधानों ने अपने अनुरोध पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही बीदासर देश का पहला ऐसा ब्लॉक बन गया है जिसके 200 से अधिक विद्यार्थी संख्या वाले सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में इंटरेक्टिव बोर्ड से पढ़ाई होगी।बैठक को संबोधित करते हुए भामाशाह प्रेरक राजीव उपाध्याय ने कहा कि शिक्षाविद् चम्पालाल उपाध्याय की ओर से जीवन पर्यन्त क्षेत्र के शैक्षिक विकास के लिए किए गए कार्यों को आगे बढ़ाने की दृष्टि से शुरू की गई। इस परियोजना के तहत रतनगढ़, सुजानगढ़ व चूरू के चयनित विद्यालयों में भामाशाहों के सहयोग से 3 करोड़ रूपये के 200 इंटरेक्टिव बोर्ड की स्थापना हो चुकी है। नवीनतम एमओयू के अनुसार परियोजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों को इंटरेक्टिव बोर्ड उपलब्ध करवाने की शुरुआत भी बैठक के माध्यम से कर दी गई है। बीदासर में रतनगढ़ मूल के सूरत प्रवासी भामाशाह शुभकरण बैद की ओर से 35 लाख रूपये की लागत के 25 इंटरेक्टिव बोर्ड उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उपाध्याय ने कहा कि वंचित तहसीलों से जुड़े भामाशाहों के आगे नहीं आने के कारण रतनगढ़ के उदार भामाशाहों को प्रेरित कर अन्य तहसीलों में बोर्ड लगवाए जा रहे है जो अपने आप में विरला उदाहरण है। भविष्य में जिला कलक्टर व शिक्षा विभाग के साथ मिलकर स्थानीय भामाशाहों को प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। बीदासर सीबीईओ संदीप व्यास ने बताया कि परियोजना के अन्तर्गत चयनित सभी स्कूलों व कॉलेजों में 75 इंच के अत्याधुनिक इंटरेक्टिव बोर्ड स्थापित करवाए जाएगे जिनका अधिकाधिक सदुपयोग करने की जिम्मेदारी संस्था प्रधान व शिक्षकों की है। उन्होंने रतनगढ़ के भामाशाह शुभकरण बैद के प्रति पूरे बीदासर ब्लॉक की तरफ से कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उनके इस अमूल्य सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। परियोजना समन्वयक पूर्व सीबीईओ कुलदीप व्यास ने बताया कि इंटरेक्टिव बोर्ड के माध्यम से रतनगढ़, सुजानगढ़ व चूरू के विद्यार्थियों का पढ़ाई के प्रति आकर्षण बढ़ा है। इस नवाचार से शिक्षक वर्ग जटिल विषयों को सरलता से समझा सकते हैं। बाल निकेतन प्रधानाचार्या दीपिका शर्मा व शिक्षक दिनेश सोनी ने बोर्ड के संचालन संबंधी संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत करते हुए प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया।500 से अधिक विद्यार्थी संख्या वाले राजकीय महाविद्यालय बीदासर, राउमावि सांडवा, तेहनदेसर, राबाउमावि बीदासर में दो दो इंटरेक्टिव बोर्ड व राउमावि बीदासर, इंयारा, दूंकर, रामदेवरा, साजनसर

भाटोलाई सांडवा, चाड़यास, सडू बड़ी, लालगढ़, दड़ीबा, मानपुरा, राबाउमावि पारेवड़ा, चाड़वास, राउप्रावि बेतालाब डिगारिया, केशोलाई सांडवा, विद्यालय नम्बर 2 बीदासर, राजकीय बालिका महाविद्यालय सांडवा में एक एक बोर्ड स्थापित किए जाएंगे। बैठक में बीदासर सीबीईओ संदीप व्यास, डॉ. सी. पी. सीगड़, बाबूलाल गोदारा, पासवान, गोवर्धन गोयल, मुनीम मीणा, महेश कुमार सैनी, भागीरथ प्रजापत, रामप्रसाद मीणा, रणजीत सिंह बीरड़ा, महेश पाल सिंह, रामनारायण, प्रेमरतन शर्मा, भंवर सिंह, मेघराज गुसाईवाल, हेमाराम मेघवाल, सुशीला चौधरी विनिता चौधरी, विजयश्री, कुमकुम सैनी आदि उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।